

श्वेता विज्ञान

"नजरिया साफ, ख़ब्बरें निष्पक्ष"

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सीनियर सिविल
जज और कै. की
सेक्रेटरी ई. श्रीदेवी
ओल्ड एज होम के
लिए कानूनी
जागरूकता
कार्यक्रम में मुख्य
अतिथि के तौर
पर शामिल हुईं

2

बुधवार 30 सितम्बर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1 | अंक - 15 | वर्ष - 8 | मूल्य - 3₹

KTR के किले पर रेवंत की नजर

बड रेवंत रेड्डी आज सिरसिला जाएंगे
रेवंत रेड्डी बड के तौर पर पहली बार
सिरसिला जाएंगे
345.78 करोड़ रुपये के डेवलपमेंट
काम शुरू होंगे

हैदराबाद:

क्या आपको लगा था कि मैं आऊंगा,
... क्या आपको लगा था कि मैं नहीं
आऊंगा... बड रेवंत रेड्डी का कहना है
कि मैं हर जगह रहूंगा, चाहे कुछ भी
हो जाए। मैं सिरसिला, सिटीपेट और
गजवेल में मीटिंग करूंगा। उन्होंने
कहा कि मैं दिखाऊंगा कि मैं क्या हूँ
और मेरी ताकत क्या है। जैसा उन्होंने
कहा, वह आज मुलाव के बगीचे में
कदम रखने जा रहे हैं। सालों से
सिरसिला को ज़ज्ज कहा जाता रहा है,
... ज़ज्ज को सिरसिला कहा जाता रहा
है। लेकिन अब चीज बदल गया है,
सिनेमा बदल गया है, रेवंत रेड्डी कहते
हैं। जैसा उन्होंने कहा, ज़ज्ज किले में
कदम रख रहे हैं।

बड रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री के तौर पर
पहली बार सिरसिला में कदम रख रहे
हैं। बड के इस दौरे का पॉलिटिकल
महत्व भी है। आज बड सिरसिला में
345.78 करोड़ रुपये के डेवलपमेंट
कामों का शिलान्यास और उद्घाटन



करेंगे और एक बड़ी पब्लिक मीटिंग
को भी एड्रेस करेंगे। इस दौरे का मेन
फोकस नेताओं की भलाई, महिला
एम्पावरमेंट, एजुकेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर
पर होगा। सिरसिला और वेंगुला
बाड़ा में 200 करोड़ रुपये के यंग
इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल
का शिलान्यास और नेतृत्वा बाजार
लॉन्च करने जैसे प्रोग्राम भी हैं।
हालांकि डेवलपमेंट प्रोग्राम
ऑफिशियल एजेंडा में हैं। सिरसिला
का पॉलिटिकल बैकग्राउंड इस दौरे में

और दिलचस्पी ला रहा है। ठीक के
वर्किंग प्रेसिडेंट ज़ज्ज 2009 से
सिरसिला को रिप्रेजेंट कर रहे हैं।
वहीं, रेवंत रेड्डी ने पहले अनाउंस
र पर होगा। सिरसिला और वेंगुला
बाड़ा में 200 करोड़ रुपये के यंग
इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल
का शिलान्यास और नेतृत्वा बाजार
लॉन्च करने जैसे प्रोग्राम भी हैं।
हालांकि डेवलपमेंट प्रोग्राम
ऑफिशियल एजेंडा में हैं। सिरसिला
का पॉलिटिकल बैकग्राउंड इस दौरे में

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की.

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली की
राजनीति में मंगलवार का दिन बेहद
नाटकीय और सियासी गर्माहट से
भरा रहा. एक तरफ जहां मुख्यमंत्री
रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से
मुलाकात कर दिल्ली के विकास
कार्यों का रिपोर्ट कार्ड सामने रखा,
वहीं, दूसरी तरफ हाल ही में एक
विवाद में घिरे मंत्री प्रवेश वर्मा तीखे
हमलों और विरोध प्रदर्शनों के बीच
अमित शाह के साथ आत्मविश्वास से
भरे नजर आए. इन दो अलग-अलग
तस्वीरों ने दिल्ली के सियासी
गलियारों में सुगमवाहट तेज कर दी
है. प्रधानमंत्री से मिली सीएम रेखा गुप्ता,
विकास कार्यों पर हुई चर्चा

मंगलवार का दिन मुख्यमंत्री रेखा
गुप्ता के लिए व्यस्तता और
उपलब्धियां भरा रहा. सुबह उन्होंने
बारापुला एक्सटेंशन के उद्घाटन
समारोह में शिरकत की. इस मौके पर
अमित शाह भी उनके साथ मौजूद थे,
जहां दोनों के बीच शहर के बुनियादी
दांचे को लेकर अहम चर्चा हुई. इसके
बाद शाम को मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री
मोदी से उनके आधिकारिक आवास
पर शिफ्टाचार भेंट की. इस दौरान
मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पिछले डेढ़
साल में दिल्ली सरकार द्वारा किए
गए प्रमुख विकास कार्यों और
जनकल्याणकारी पहलों पर आधारित
एक विशेष पुस्तिका की भेंट की.
'पीएम का मार्गदर्शन राष्ट्रसेवा की नई
ऊर्जा देता है— बडमुलाकात के बाद
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'एक्स' पर
लिखा, 'विश्व' के सबसे लोकप्रिय



जननेता आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र
मोदी से शिफ्टाचार भेंट कर उनका
मार्गदर्शन प्राप्त किया. इस अवसर पर
विगत डेढ़ वर्ष में दिल्ली में हुए प्रमुख
विकास कार्यों और जनकल्याणकारी
पहलों पर आधारित पुस्तिका की प्रति
भी आदरणीय प्रधानमंत्री को भेंट की.
'मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगे कहा
कि प्रधानमंत्री से प्रत्येक भेंट उन्हें
नया संकल्प देती है. उनका स्नेह और
मार्गदर्शन राष्ट्रसेवा और जनसेवा के
प्रण को और अधिक मजबूत करता है
तथा 'विकसित भारत' के अनुरूप एक
आधुनिक और 'विकसित दिल्ली' के
निर्माण के लिए पूरी ऊर्जा से काम
करने की प्रेरणा देता है. राजनीतिक
जानकारों का मानना है कि इस
मुलाकात के जरिए दिल्ली सरकार ने
केंद्र के साथ मजबूत समन्वय और
अपने कामकाज का स्पष्ट संदेश
जनता के बीच देने का प्रयास किया

है. मंत्री प्रवेश वर्मा का विवाद और
विपक्ष का आक्रामक रुख
वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली सरकार के
मंत्री प्रवेश वर्मा से जुड़ा हालिया
विवाद धमने का नाम नहीं ले रहा है.
बीते रविवार को तिलक नगर इलाके
में एक व्यक्ति की थप्पड़ मारने की
घटना सामने आने के बाद से प्रवेश
वर्मा चोतरफा घिरे हुए हैं. इस घटना
के बाद से आम आदमी पार्टी सहित
तमाम विपक्षी दल हमलावर मुद्रा में हैं.
विपक्षी नेता मंत्री के खिलाफ तत्काल
एफआईआर दर्ज करने और उनके
इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार
प्रदर्शन कर रहे हैं. विपक्ष का आरोप है
कि सत्ता में बैठे जिम्मेदार पदों के
लोगों का ऐसा बर्ताव कानून-व्यवस्था
के लिए बड़ा सवालिया निशान खड़ा
करता है. आप नेता सौरभ भारद्वाज
पुलिस कमिश्नर से मिलने पहुंचे तो
उन्हें हिरासत में ले लिया गया

महूर में बुलडोजर

महूर में गरीबों के घर गिराए गए
60 परिवार बेघर
20 घर और दुकानें गिराई गईं
पीड़ितों का आरोप है कि कोई
नोटिस नहीं दिया गया
हरीश खन्ना ने कड़ी आलोचना की
मुआवजे और पुनर्वास की मांग

महूर में सड़क बढ़ाने के नाम पर
की गई तोड़-फोड़, जो कोडंगल
स्थानसभा क्षेत्र में आता है और
जिसका प्रतिनिधित्व मुख्यमंत्री रेवंत
रेड्डी करते हैं, ने राजनीतिक हंगामा
खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोग



और विपक्षी नेता आरोप लगा रहे हैं
कि महूर से चित्तलदिन्ने तक सड़क
बढ़ाने के हिस्से के तौर पर गरीबों
के घर और दुकानें हटा दी गईं।
उनका दावा है कि लगभग 60
परिवारों ने अपने घर खो दिए हैं
और अन्य 20 परिवारों ने अपने घरों
के साथ-साथ अपनी दुकानें भी खो
दी हैं। हालांकि, अधिकारियों की
ओर से अभी तक इस बारे में साफ
जानकारी जारी नहीं की गई है कि
क्या तोड़ने से पहले नोटिस दिए



गए थे? मुआवजे और पुनर्वास पर
क्या कदम उठाए गए हैं?

तोड़-फोड़ के दौरान पुलिस की
मौजूदगी और यह आरोप कि उन्हें
रोकने की कोशिश करने वाले कुछ
लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले
लिया, ने स्थिति को और भी
तनावपूर्ण बना दिया है। पीड़ित
सवाल कर रहे हैं कि अगर उनके
घर, जिनमें वे सालों से रह रहे हैं,
अचानक हटा दिए गए तो वे कहीं
जाएंगे। कुछ लोग आरोप लगा रहे
हैं कि उन्हें अपना सामान हटाने के
लिए कम से कम समय भी नहीं
दिया गया। हालांकि सड़क को
बढ़ाना जरूरी है, लेकिन यह
महसूस किया जा रहा है कि जिन
परिवारों के घर और रोजी-रोटी
छिन रही है, उनके लिए पहले से
जानकारी, कानूनी प्रक्रिया,
मुआवजा और पुनर्वास जैसे मुद्दों
पर भी साथ-साथ ध्यान देने की
जरूरत है। पूर्व मंत्री और ठीक नेता
हरीश खन्ना ने इस घटना पर
कड़ी प्रतिक्रिया दी। क्या वे
कोडंगल के लोगों के घर तोड़
देंगे, उन्हें कोडंगल के बच्चे
कहेंगे? उन्होंने बड रेवंत रेड्डी से
सवाल किया। उन्होंने बिना
नोटिस

केदारनाथ यात्रा का सबसे खतरनाक पड़ाव है चीरबा. सा, जहां हर मानसून मंडराता है मौत का खतरा!

देहरादून: उत्तराखंड में इन दिनों
चारधाम यात्रा जारों शोर्षों से चल रही
है. लेकिन केदारनाथ धाम जाने वाले
यात्रियों के लिए चीरबासा क्षेत्र नासूर
बनती जा रही है. गौरीकुंड से करीब
2.5 किलोमीटर आगे चीरबासा क्षेत्र में
अक्सर भूस्खलन होता रहता है.
जिसके चलते पैदल यात्रियों की जान
भी हलक पर अटक रही है.
बावजूद इसके अभी तक भूस्खलन के
मिटिगेशन को लेकर कोई ठोस कदम
नहीं उठाया जा सका है.
जबकि, हर साल मानसून सीजन के
दौरान भूस्खलन की वजह से रास्ता
बाधित हो जाता है. बहरहाल, इस
क्षेत्र के अध्ययन के लिए आपदा
प्रबंधन विभाग की ओर से टीम भी
भेजी गई थी. ताकि, बेहतर ढंग से
इसका अध्ययन कर मिटिगेशन किया
जा सके, आखिर क्यों संवेदनशील है
चीरबासा क्षेत्र, आपदा प्रबंधन विभाग
की ओर से इसके लिए क्या किया जा
रहा है काम? आपको विस्तार से
बताते हैं. बता दें कि बाबा केदार के
दर्शन करने जाने वाले यात्री गौरीकुंड
से करीब 2.5 किलोमीटर आगे चीरबा.
सा क्षेत्र से होकर केदारनाथ मंदिर
पहुंचते हैं. लेकिन चीरबासा क्षेत्र
यात्रियों के लिए लगातार खतरे का
पर्याय बनता जा रहा है. पहाड़ी से
गिरते बोल्टर, अचानक सक्रिय होने
वाले भूस्खलन और संकरे पैदल मार्ग
के चलते यहां हर कदम जोखिम भरा
है. हैरानी की बात ये है कि सितंबर
महीने में कुछ ही दिनों के भीतर हुई
दो बड़ी घटनाओं ने प्रशासनिक
तैयारियों और स्थायी मिटिगेशन
व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर
दिए हैं.

इसी महीने चीरबासा में जा चुकी दो



जानें: दरअसल, 13 सितंबर 2026 को
चीरबासा हेलीपैड के पास पहाड़ी से
गिरे बोल्टर की चपेट में आने से एक
व्यक्ति की मौत हो गई थी. इस घटना
के बाद केदारनाथ यात्रा को अस्थायी
रूप से रोकना पड़ा और यात्रियों को
सोनप्रयाग, गौरीकुंड एवं जगलचट्टी में
रोका गया. इसके बाद 27 सितंबर
2026 की शाम चीरबासा क्षेत्र में फिर
भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटना
हुई. इस हादसे में पांच वर्षीय बच्चे की
मौत हो गई. लगातार गिरते पत्थरों
और मलबे की वजह से पैदल मार्ग
बाधित हो गया. उस दौरान इस क्षेत्र
में फंसे करीब 1,500 यात्रियों को
एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और
डीडीआरएफ की संयुक्त टीमों ने
सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड पहुंचाया.
झमकतदंजी त्वनजम बैपतई कंदहमत
'यदमवीरबासा हेलीपैड के पास पहाड़ी
से गिरे बोल्टर (फाइल फोटो—
१/लकतचतलहवस)

हिमालयी क्षेत्र से गुजरता है, जहां
चट्टानों, मलबे और ढीली मिट्टी वाली
ढलानें बारिश के बाद तेजी से कमजोर
होती हैं. कई स्थानों पर पैदल मार्ग
पहाड़ी ढलान और नदी-नाले के बीच
से गुजरता है. पत्थरों से बचने के लिए
नहीं मिलता है मौका. यात्रियों के पास
अचानक गिरते पत्थरों से बचने के
लिए स्थान नहीं मिल पाता है. इसके
अलावा, यात्रा सीजन के दौरान
सीमित मार्ग पर बड़ी संख्या में पैदल
यात्री, घोड़े और खच्चर चलते हैं.
इससे मार्ग का कटाव और किनारे
कमजोर हो जाते हैं. जिस वजह से
इस क्षेत्र में लगातार भूस्खलन का
सिलसिला जारी रहता है. झमकतदंजी
त्वनजम बैपतई कंदहमत 'यदम
खतरनाक है चीरबासा (फोटो सोर्स—
१/लकतचतलहवस)

गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर
हादसे: गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल
मार्ग पर पिछले कुछ सालों में
भूस्खलन और पहाड़ी से पत्थर गिरने
की घटनाओं में कई यात्रियों की मौत
हुई है. साल 2017 में 2, 2018 में 2,
2019 में 3, 2022 में 6, 2023 में 3
और 2024 में 3 लोगों की मौत हुई
थी. 21 जुलाई 2024 को चीरबासा में

सीनियर सिविल जज और कैं। की सेक्रेटरी ई. श्रीदेवी ओल्ड एज होम के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं

अगीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ
ओल्ड एज होम के इंचार्ज और सुपरवाइजर के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 सितंबर, 2026:

हैदराबाद में ओल्ड एज होम के इंचार्ज और सुपरवाइजर के लिए एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याणकारी कानूनों, सरकारी दिशानिर्देशों और इन होम के मैनेजमेंट पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह कार्यक्रम हैदराबाद कलेक्टर के कॉन्फ्रेंस हॉल में हैदराबाद के असिस्टेंट डायरेक्टर (ओल्ड एज होम) श्री राजेंद्र की देखरेख में आयोजित किया गया। डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (सेशन डिवीजन, नामपल्ली, हैदराबाद) की सेक्रेटरी सुश्री ई. श्रीदेवी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। इस मौके पर बोलते हुए सुश्री श्रीदेवी ने इस बात पर जोर दिया कि बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण, रहने की जगह और जरूरी कानूनी मदद सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। बुजुर्गों की उपेक्षा, उत्पीड़न या उनके अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में उपलब्ध कानूनी उपायों और मुक्त कानूनी सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। बुजुर्गों के अधिकारों की सुरक्षा, सुरक्षा, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं, रिकॉर्ड रखने, शिकायतों के समाधान और ओल्ड एज होम में सरकारी दिशानिर्देशों को लागू करने के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। बुजुर्गों के कल्याण से जुड़े कानूनों, सरकारी योजनाओं और दिशानिर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ-साथ ओल्ड एज होम के कर्मचारियों और सुपरवाइजर द्वारा बुजुर्गों के साथ सम्मान और मानवीय व्यवहार करने की



जरूरत पर भी जोर दिया गया।

यह बताया गया कि जरूरत पड़ने पर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के जरिए मुफ्त कानूनी मदद ली जा सकती है। बुजुर्गों से जुड़े मुद्दों को संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाने और उन्हें

उचित मदद मिलना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस कार्यक्रम में असिस्टेंट डायरेक्टर श्री राजेंद्र, ओल्ड एज होम के इंचार्ज और सुपरवाइजर, कर्मचारी के सदस्य और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

लोगों में सफाई के बारे में जागरूकता लाने के मकसद से, 2 अक्टूबर को विजयवाड़ा-अमरावती में 'स्वच्छता' मैराथन होगी

10,000 लोगों के साथ एक बड़ी दौड़ की तैयारी

स्वच्छता मैराथन से लोगों में सफाई के बारे में और जागरूकता

... स्वच्छ आंध्र कॉर्पोरेशन के चेयरमैन कोम्मारेड्डी पट्टाभि राम
विजयवाड़ा: 29 सितंबर, 2026.
स्वच्छ आंध्र कॉर्पोरेशन के चेयरमैन कोम्मारेड्डी पट्टाभि राम ने कहा कि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर पूरे देश में मनाए जाने वाले स्वच्छ दिवस के मौके पर



विजयवाड़ा-अमरावती इलाके में एक "स्वच्छता" मैराथन होगी। स्वच्छ आंध्र कॉर्पोरेशन के चेयरमैन कोम्मारेड्डी पट्टाभि राम ने मंगलवार को विजयवाड़ा के एक प्राइवेट होटल में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में "स्वच्छता" मैराथन की डिटेल्स बताई। इस मौके पर बोलते हुए, स्वच्छ आंध्र कॉर्पोरेशन के चेयरमैन कोम्मारेड्डी पट्टाभि राम ने कहा कि महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान की भावना से, हम पूरे देश में सफाई



और सैनितेशन पर बड़े पैमाने पर जागरूकता प्रोग्राम चला रहे हैं। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में, हम जनवरी 2025 से आंध्र प्रदेश में "स्वगांधि-स्वच्छ" मूवमेंट चला रहे हैं ताकि लोगों में सफाई के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले साल लोगों के बीच स्वच्छ मूवमेंट को और बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई "स्वच्छता" रन का

पहला एडिशन सफल रहा था और देश भर में लगभग 6 हजार से 7 हजार रनर्स ने इसमें हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि इस साल हो रहे दूसरे एडिशन के लिए मध्य बैंक टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर काम कर रहा है। कोम्मारेड्डी पट्टाभि राम ने कहा कि अनुमान है कि "स्वच्छता" मैराथन में लगभग 10 हजार लोग हिस्सा लेंगे,

इस्तीफा देकर उपचुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से मुआवजा वसूलने का आदेश नहीं दिया जा सकता: हाई कोर्ट

चेन्नई: मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह भारत निर्वाचन आयोग (म्ह) को उन उम्मीदवारों से मुआवजा वसूलने का आदेश नहीं दे सकता जो इस्तीफा देकर दोबारा उपचुनाव लड़ते हैं। अप्रैल में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद मद्रास हाई कोर्ट (डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस), तारापुरम, अम्बासमुद्रम (इडुडुक्कनकंठ), पेरुदुरई (चमनदकनतं), करूर और विसलीमलाई (टिपुसपट्टे) निर्वाचन क्षेत्रों से चुने गए छह एम्बेड्ड विधायकों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और एटन में शामिल हो गए। हाई कोर्ट ने अम्बासमुद्रम, पेरुदुरई, करूर, विसलीमलाई और त्रिवी पूर्व सीटों पर उपचुनाव की घोषणा पर रोक लगा दी है, जहां चुनाव मामले लंबित हैं, जबकि चुनाव आयोग ने मद्रास हाई कोर्ट और तारापुरम निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी है।



चेन्नई के सैदापेट के वकील सुधन ने मद्रास हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें चुनाव आयोग को यह आदेश देने की मांग की गई है कि वह उम्मीदवारों द्वारा उपचुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय चुनाव खर्च जमा करने की एक उचित प्रक्रिया तैयार करे। याचिका में कहा गया है कि जहां विधायकों के अपने राजनीतिक कारणों से इस्तीफा देने के कारण सरकारी खर्च पर उपचुनाव कराने पड़ते हैं, वहां उन्हें इन खर्चों के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए उचित प्रक्रियाएं तैयार की जानी चाहिए, इसके अलावा, याचिका में यह अनुरोध किया गया है कि एक ऐसा कानून बनाने के लिए अध्ययन किया जाए जो उन लोगों को चुनाव नतीजों की घोषणा के कुछ ही समय बाद राजनीतिक कारणों से अपने पद से इस्तीफा देने और जनता के जनादेश की उपेक्षा करने पर, एक निश्चित अवधि के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर सके। याचिका में अनुरोध किया गया है कि मामला सुलझने तक मद्रास हाई कोर्ट और तारापुरम निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनावों पर रोक लगाई जाए, और चुनाव आयोग को पूर्व विधायकों मरागाथम कुमारवेल (डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस) और सत्यभामा (जीपलंडी) के नामांकन पत्र स्वीकार करने से रोका जाए, जिन्हें इन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है। इसी तरह, याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव आयोग को त्रिवी पूर्व, करूर, विसलीमलाई, पेरुदुरई, अम्बासमुद्रम, मद्रास हाई कोर्ट और तारापुरम निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव कराने में हुए खर्च पर एक रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया जाए। यह मामला चीफ जस्टिस एसए धर्माधिकारी और जस्टिस जी. अरुल मुकुगन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिंगरावेलन ने कहा, "उम्मीदवारों ने लोगों के जनादेश को खारिज कर दिया और दूसरी पार्टी में शामिल होने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इसलिए, मरागाथम कुमारवेल और सत्यभामा दोनों को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए, एक पार्टी से चुने जाना और फिर उसे छोड़कर दूसरी पार्टी में चुनाव लड़ना दल-बदल कानून से बचना है।" चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने कहा, "याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता है, लोकतांत्रिक तरीके से इस्तीफा देने वाले किसी सदस्य के दोबारा चुनाव लड़ने पर कोई रोक नहीं है।" कोर्ट ने कहा, "इस मामले में किस आधार पर आदेश जारी किया जा सकता है? इस्तीफा देने और फिर से चुनाव लड़ने वालों से मुआवजा वसूलने का अभी तक कोई कानून नहीं है, किसी भी कानून के अभाव में, अदालत मुआवजा वसूलने का आदेश कैसे जारी कर सकती है? अदालतें कानून नहीं बना सकतीं, अदालत सिर्फ दस्तावेजों के आधार पर ही यह जांच कर सकती है कि क्या सही है और क्या गलत।" पीठ ने कहा, "चुनाव आयोग को उम्मीदवारों से चुनाव खर्च वसूलने और उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने का आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट चुनाव आयोग को उम्मीदवारों से चुनाव खर्च वसूलने के लिए कानून बनाने का आदेश कैसे दे सकता है?"

मीडिया रिपोर्ट में दो चुनाव आयुक्तों द्वारा 14 बार आपत्ति जताने के दावे के बाद राहुल गांधी ने सरकार और म्हा को घेरा

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'देशद्रोही' बताया, क्योंकि उन्होंने भारत के वोट को 'बर्बाद' किया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के तुरंत इस्तीफा की मांग की।



बता दें कि बुधवार को आई एक मीडिया रिपोर्ट से पता चला कि 10 महीनों के अंदर, दो चुनाव आयुक्तों - विवेक जोशी और सुखवीर सिंह संधू - ने 15 और चुनाव आयोग द्वारा उठाए गए दूसरे कदमों से जुड़े मामलों पर 14 बार आपत्ति जताई थीं। राहुल गांधी ने गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयुक्त और केंद्र सरकार पर निशाना साधा, कहा कि यह संविधान और देश के कानूनी ढांचे पर हमला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मोदी और शाह ने देश के साथ जो किया है, उसकी जांच की जाएगी। कुमार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि म्हा ने जो किया है, वह भारतीय राष्ट्र के खिलाफ एक काम है। गांधी ने कहा कि कुमार को उनका सुझाव है कि उन्हें सरकारी गवाह बन जाना चाहिए क्योंकि यह राष्ट्रवाद का काम होगा। राहुल गांधी ने कहा, "यह संविधान और देश के कानूनी ढांचे पर हमला है, आपको यह सुनिश्चित करना था कि वोट सुरक्षित रहे, हमारे पास इसे निश्चित रूप से साबित करने के लिए पर्याप्त जानकारी है। इसके नतीजे होंगे, हम लोकतांत्रिक को बर्बाद होते हुए देखकर घुप नहीं बैठेंगे।" गांधी ने कहा, "पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह, दोनों की जांच होगी कि क्या किया जा रहा है, वे इस साजिश में सबसे ऊपर हैं और उन्होंने देश के साथ जो किया है, उसके लिए उनकी जांच की जाएगी।" राहुल गांधी ने कुछ वीडियो दिखाए और लोगों से मोदी और शाह के लहजे को सुनने के लिए कहा, वीडियो में शाह को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उम्र 30 साल तक सत्ता में रहेगी और प्रधानमंत्री को 'अबकी बार 400 पार' का नारा लगाते हुए सुना जा सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक माहौल में काम करने वाला कोई भी राजनीतिक नेता ऐसे बयान नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि भारत में 'एटी-इंकम्बेंसी' नाम की एक बुनियादी ताकत होती है जो विरोध करना शुरू कर देती है और यह किसी को नहीं बरखाती। राहुल गांधी ने कहा- भारत में 'एटी-इंकम्बेंसी' हर सरकार को प्रभावित करती है, लेकिन मोदी, शाह और बीजेपी पर यह गायब हो जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश युद्ध जीता था और उनकी अपार लोकप्रियता थी, फिर भी एक-दो साल के अंदर ही भारी एटी-इंकम्बेंसी आ गई थी।

खरगे ने जोर दिया कि किसी भी वोटर को किसी अधिकारी के पूर्वाग्रह या मनमाने फैसले की वजह से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए.

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्हें भारतीय जनता पार्टी (BJP) का 'कठपुतली' बताया. कांग्रेस वर्किंग कमिटी (WC) की बैठक में बोलते हुए, खरगे ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि उसने पिछले 12 सालों में सोची-समझी साजिश के तहत लोकतांत्रिक नींव को खोखला किया है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 12 सालों में हमारे पूर्वजों की कुर्बानी और समर्पण से बनी मजबूत लोकतांत्रिक नींव को सुनियोजित और साजिशपूर्ण तरीके से खोखला कर दिया है. उन्होंने कहा कि सोची-समझी साजिश के तहत वोटर लिस्ट से नाम हटाए जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त मोदी सरकार के हाथों की कठपुतली बन गए हैं. यह भारतीय लोकतंत्र की उस भावना और मूल्यों के खिलाफ है, जिसके तहत हर योग्य नागरिक का वोट सुरक्षित होना चाहिए और हर वोट की गिनती निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए. बाबासाहेब अंबेडकर का जिक्र करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सार्वभौमिक मताधिकार लोकतंत्र का सबसे बुनियादी तत्व है और किसी भी वोटर को किसी अधिकारी के पूर्वाग्रह या मनमाने फैसले की वजह से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए. 15 जून 1949 को संविधान सभा में बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा कि लोकतंत्र में वोट देने का अधिकार सबसे बुनियादी चीज है. हमारे संविधान के तहत वोटर लिस्ट में शामिल होने के हकदार किसी भी व्यक्ति को स्थानीय सरकार के पूर्वाग्रह या किसी अधिकारी की मनमानी के कारण बाहर नहीं रखा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने जोर देकर कहा था कि किसी अधिकारी की मनमानी से नाम नहीं हटाए जाने चाहिए. फिर भी, आज अधिकारी



बीजेपी और मोदी सरकार के कहने पर मनमाने ढंग से नाम हटा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू और बाबासाहेब यह समझते थे कि लोकतांत्रिक भागीदारी के बिना, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले लोगों की आवाज अनसुनी रह जाएगी इसीलिए उन्होंने भारत के हर वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार देने की पुरजोर बकालत की. उन्होंने सवाल किया कि संविधान सभा में बहस के दौरान, बाबासाहेब अंबेडकर ने वोट देने के अधिकार को लोकतंत्र का सबसे बुनियादी तत्व बताया था लेकिन आज, इसका उल्टा हो रहा है. रक्षक ही भ्रक्षक बन गया है. जिस व्यक्ति को संविधान ने ताकत दी और लोगों के वोट का संरक्षक बनाया, वही व्यक्ति अब उन वोटों को लूटने वाला बन गया है. देश ऐसे मुख्य चुनाव आयुक्त पर कैसे भरोसा कर सकता है, जिस पर उनके अपने साथी भी भरोसा नहीं करते? खरगे ने आगे कहा कि हमारे सवाल का मकसद इन संस्थाओं को कमजोर करना नहीं है. हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग इतना मजबूत और भरोसेमंद हो कि सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष, दोनों को ही इसके फैसलों पर समान भरोसा हो. लोकतंत्र की

सुरक्षा के लिए चुनाव आयोग की आजादी सबसे जरूरी शर्तों में से एक है, लेकिन क्या यह पूछना गलत है कि 'ए' का फैसला किसने लिया? क्या यह पूछना गलत है कि दो चुनाव आयुक्तों को इंटरनल पोर्टल से क्यों दूर रखा गया? क्या कोई गुप्त काम चल रहा था? खरगे ने पार्टी की 5 मांगों पर जोर दिया वोटर लिस्ट में हुए हर बड़े बदलाव की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए. जिन वोटर्स के नाम हटाए गए हैं, उन्हें पूरी जानकारी दी जानी चाहिए और अपील करने का मौका भी मिला चाहिए. राजनीतिक पार्टियों को वोटर लिस्ट और उससे जुड़ी सभी जरूरी जानकारी सही समय पर और आसान फॉर्मेट में उपलब्ध कराई जानी चाहिए. जहां भी गंभीर गड़बड़ियों के सबूत मिलें, वहां एक स्वतंत्र और तय समय-सीमा वाली जांच होनी चाहिए. चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अहम डेटा और फैसलों में पारदर्शिता होनी चाहिए ताकि किसी भी पार्टी को यह कहने का मौका न मिले कि जानकरी छिपाई जा रही है. खरगे ने कहा कि 2027 में पांच राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए यह प्रकटा करना जरूरी है कि किसी भी वोटर के अधिकार का उल्लंघन न हो. कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर व्यक्ति का वोट सुरक्षित रहे और चुनाव निष्पक्ष हों, ताकि भारत की चुनाव प्रक्रिया में आम लोगों का भरोसा बना रहे. कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जोरदार विरोध किया है, खासकर उस रिपोर्ट के बाद जिसमें 'ए' प्रक्रिया को लेकर आयोग के भीतर मतभेदों का जिक्र किया गया था. बुधवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल बैठक करेंगे और इस विरोध को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त रणनीति तय करेंगे.

अब फूटक! गठबंधन मजबूत करने में जुटेंगी ममता! 30 सितंबर को ही सकती है बैठक, राहुल गांधी को भेजा संदेश

कोलकाता: विधानसभा चुनावों में हार पार्टी में फूट की घटनाओं से आहत ममता बनर्जी ने अब विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने का इरादा बना लिया है। चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने और विपक्ष की रणनीति को तय करने के लिए इंडिया गठबंधन की अगली बैठक दिल्ली में होने की संभावना है। उन्होंने राहुल गांधी को इस संघ में संदेश भेजा है कि 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई जाए। मैंने राहुल को कहा कि हमें साथ बैठना चाहिए—ममतातुणमुल कांग्रेस प्रमुख ने हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश भेजकर कहा है कि विपक्षी दलों को साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने यह बात मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच कही। ममता ने कहा, "मैंने राहुल गांधी को संदेश भेजकर कहा है कि हमें साथ बैठना चाहिए। 'इंडिया' गठबंधन की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में होने की संभावना है।" प्रस्तावित बैठक ऐसे समय में हो रही है जब विपक्षी दल निर्वाचन आयोग के कामकाज और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया को लेकर आपसी समन्वय की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि ममता ने राहुल गांधी से फोन पर भी बात की और उनसे जल्द से जल्द 'इंडिया' गठबंधन की बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने माकपा महासचिव एमए बेबी से भी



बातचीत की विधानसभा चुनाव में हार के बाद बड़ी मुश्किलें दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद से ममता बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। राज्य से सत्ता जाने के बाद पार्टी भी उनके कंट्रोल में नहीं रही। सांसदों और विधायकों ने साथ छोड़ दिया। पहली फूट विधानसभा में हुई और बड़ी संख्या में विधायक टीएनसी से अलग हो गए। ममता बनर्जी अभी इस सदमे से उबर भी नहीं पाई थीं कि उनके सांसद भी अलग होने लगे। अब तो पार्टी का चुनाव चिह्न भी आयोग ने बदल दिया है एसआईआर के जरिये वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए—ममता वही ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिये वैध मतदाताओं

के नाम हटाकर राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत में मदद की। हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए तुणमुल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने हाल ही में आई एक खबर का स्पष्ट संदर्भ देते हुए यह भी कहा, "भाजपा ने चुनाव आयोग का किस तरह इस्तेमाल किया, इसका सच अब सामने आ चुका है।" उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा देने तक देशभर में विरोध-प्रदर्शन जारी रहेंगे। मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर काम कर रही है और अव्यसंख्यक समुदाय के लोगों से उनके मतदाता पहचान पत्र छीन रही है। इससे पहले पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में ममता बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने का फैसला कर सबको चौंका दिया था। उस वक्त ममता खेमे की उम्मीदवार संघिता प्रधान ने मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी से मुलाकात के बाद चुनाव से नाम वापस ले लिया। इसके बाद ममता ने कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया और इसे विपक्षी गठबंधन फूटक को मजबूत करने से जोड़ा था।



नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई। वहीं, महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 12 अक्टूबर 2026 बढ़ा दी गई है। अब महाराष्ट्र में नोटिस और दावे-आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख 10 नवंबर 2026 की गई है। चुनाव आयोग की मीटिंग में लिए कई फैसले बता दें कि शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग के तीनों आयुक्तों की मीटिंग हुई। मीटिंग के बाद चुनाव आयोग ने प्रेस

रिलीज जारी कर कहा, "अगर किसी ऐसे व्यक्ति को चल रही 'ए' के दौरान अनैमिड होने और लॉजिकल गड़बड़ियों के लिए नोटिस जारी किया गया है, तो उसर ऐसे लोगों के घर जाकर डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करेंगे और उसके बाद म् के फैसले के लिए उन्हें म्छमज पर अपलोड करेंगे। ऐसे लोगों को सुनवाई के लिए म्छम ऑफिस बुलाने की जरूरत नहीं है। सिर्फ खास हालात में जेसा कि म् तय करेगा, सुनवाई बेहतर होगा कि ऑनलाइन हो। अगर जरूरत हो, तो वोटर परिवार के किसी भी बड़े सदस्य को उनकी तरफ से सुनवाई में शामिल होने के लिए अंधाराइज कर सकते हैं। ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। आयोग ने कहा कि 'ए' के लिए फॉर्म 6 के साथ अटैच की गई घोषणा को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। नॉन-ए पीरियड के लिए नियमों (इलेक्टर्स रजिस्ट्रेशन

दमोह से कटनी रूट होगा फोरलेन, स्टूडेंट्स को यूनिफॉर्म के लिए अकाउंट में पहुंचेंगे 600 रुपए



भोपाल: मध्य प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले 58 लाख बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए 600 रुपए की राशि मिलेगी. मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसका निर्णय लिया गया है. बैठक में स्कूली बच्चों के अलावा कई महत्वपूर्ण विषयों को लेकर निर्णय लिया गया. बैठक में तय किया गया कि प्रदेश में इस साल कक्षा एक से आठवीं तक के स्टूडेंट्स को स्कूल ड्रेस के स्थान पर 600 रुपए की नगद राशि दी जाएगी. यह राशि सीधे छात्रों या उनके परिजनों के खातों में डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रान्सफर के जरिए भेजी जाएगी. कैबिनेट की बैठक में दमोह से कटनी मार्ग के फोरलेन में बदलने के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है. यूनिफॉर्म के लिए मिलेगी नगद राशि एमएसएमडी मंत्री चेतन कश्यप ने बताया, "पूर्ववर्ती शिवराज सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के 58 लाख छात्र-छात्राओं की यूनिफॉर्म स्व सहायता समूह के जरिए तैयार कराकर देने की व्यवस्था शुरू की थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने इसके स्थान पर सीधे पैसे देने का फैसला किया है. यूनिफॉर्म के लिए 600 रुपए की राशि मिलेगी. इसके लिए 348 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है." उन्होंने बताया, "मौजूदा शिक्षा सत्र में अभी तक बच्चों को यूनिफॉर्म मिल ही नहीं पाई है. यूनिफॉर्म के लिए टेंडर प्रक्रिया में कई आपत्तियों के चलते यह पूरा मामला अटक गया. जबकि इसके लिए जून माह में मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा 350 करोड़ का टेंडर जारी किया था, लेकिन कई शर्तों को लेकर आपत्तियां सामने आई थीं. मामला कोर्ट तक भी पहुंच गया. इसके चलते अब राज्य सरकार ने यूनिफॉर्म की राशि सीधे परिजनों या स्टूडेंट्स के खातों में डालने का फैसला लिया है. कैबिनेट ने भी इस पर अपनी मंजूरी ला दी है." एमएसएमडी मंत्री चेतन कश्यप ने बताया, "कैबिनेट की बैठक में दमोह से कटनी के बीच 105 किलोमीटर लंबे मार्ग को फोरलेन में बदलने का भी फैसला लिया गया है. इसके लिए राज्य सरकार ने 4470 करोड़ के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है. इस सड़क के फोर लेन होने से इस रूट पर लगने वाले जाम से यात्रियों को राहत मिलेगी. इसके अलावा इस सड़क पर यात्रा करना आरामदायक होगा. अभी 105 किलोमीटर की चूरी तय करने में करीबन 2 घंटे का समय लग जाता है, लेकिन फोरलेन की सड़क होने से यात्रा डेढ़ घंटे में पूरी हो सकेगी. यह सड़क किंव विकास पथ प्रोजेक्ट के तहत हाईब्रिड एयुटी मॉडल पर तैयार होगी. इसकी लागत की 60 फीसदी राशि 15 सारों में फिस्कों में दी जाएगी जबकि शुरुआत में लागत की 40 फीसदी ही राशि दी जाएगी."

एंटीलिया बम धमकी मामले में महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को जमानत मिली

मुंबई: मुंबई की स्पेशल एनआईए (छप) कोर्ट ने 2021 में एंटीलिया बम धमकी मामले और विजनेसमैन मनसुख हिरेन मर्डर केस में बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को आज मंगलवार 29 सितंबर को बेल दे दी है. अभी तक कोर्ट का विस्तृत आदेश नहीं मिला है, बता दें, सचिन वाजे इस मामले में कुछ आरोपियों में शामिल थे, जो जेल की सजा काट रहे थे. इस केस के ज्यादातर आरोपी पहले से ही जमानत पर हैं. इनमें मुंबई पुलिस के पूर्व अधिकारी प्रदीप शर्मा, सुनील माने और रियाजुद्दीन काजी भी शामिल हैं. मुंबई सेरांस कोर्ट की स्पेशल कोर्ट ने 1 अगस्त को उन पर आरोप तय किए थे. एंटीलिया बिस्फोटक मामले 25 फरवरी, 2021 को कारमाइकल रोड पर उद्योगपति मुकेश अंबानी के आलीशान मुंबई घर 'एंटीलिया' के बाहर एक संदिग्ध स्फोटक कार मिली थी, जिसमें जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा पत्र था. इसके कुछ ही दिनों बाद, गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन का शव टांगे क्रीक में मिला था. जांच से पता चला कि मुंबई पुलिस की 'ए' के पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की इस मामले में अहम भूमिका थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए, जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (छप) को सौंप दी गई. छप ने मामले की जांच की और सचिन वाजे व अन्य आरोपियों को एक-एक करके गिरफ्तार किया. एंटीलिया आवास के बाहर जिलेटिन की छड़ों और धमकी भरे पत्र वाली स्फोटक कार छोड़ने और गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन की मौत के मामले में बर्खास्त पुलिस इन्स्पेक्टर सचिन वाजे, पूर्व पुलिस अधिकारी विनायक शिंदे और क्रिकेट बुकी नरेश गौर को गिरफ्तार किया गया. नरेश गौर पर मनसुख हिरेन मर्डर केस के सिलसिले में सचिन वाजे को सिम कांड सप्लाय करने का आरोप है. छप का आरोप है कि सचिन वाजे इस साजिश का मास्टरमाइंड था, उसने पैसे ऐंठने और अपनी अहमियत फिर से साबित करने के लिए पूरी साजिश रची थी. इस घटना को आतंकी हमले का रूप देने के लिए, 'जेश-उल-हिंद' नाम के एक कथित आतंकी संगठन के सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जिम्मेदारी लेने वाला एक पोस्ट भी डाला गया था. इस मामले की वजह से तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का अवानक तबादला कर दिया गया और बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया. मनसुख हिरेन मर्डर केस में प्रदीप शर्मा की पहचान एक मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर की गई है. छप का दावा है कि पूरी साजिश मुंबई पुलिस कमिश्नर की बिल्डिंग में रची गई थी और शर्मा व अन्य आरोपी इस साजिश से जुड़ी बैठकों में शामिल हुए थे. छप की चार्जशीट में बताया गया है कि सचिन वाजे ने मनसुख हिरेन की हत्या के लिए प्रदीप शर्मा को 45 लाख दिए थे. प्रदीप शर्मा एक 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' और मुंबई पुलिस के पूर्व अधिकारी के तौर पर जाने जाते हैं, जिन्होंने 113 गैंगस्टर्स को खत्म किया था. उन्होंने 2019 का विधानसभा चुनाव नालासोपरा से शिवसेना के टिकट पर लड़ा था, लेकिन हार गए थे. वह 1983 से मुंबई पुलिस बल में सेवारत थे. उन्हें पहले 'लखन भैया' फर्जी मुठभेड़ मामले में 2010 में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन



दिल्ली और महाराष्ट्र के 'ए' में आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ी, चुनाव आयोग ने दी बड़ी राहत

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन ('ए') के दौरान दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने शनिवार को रिविजन से जुड़े कई फैसलों को मंजूरी दी। आयोग के अनुसार, दिल्ली में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 30 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। नोटिस, दावे और आपत्तियों के निपटारे की समय-सीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में 30 अक्टूबर तो महाराष्ट्र में 12 अक्टूबर तक आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख जानकारी के अनुसार, दिल्ली 'ए' में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 की गई। दिल्ली में नोटिस और दावे-आपत्तियों के निपटारे की समयसीमा 30

किसके लिए सबसे बड़ा नुकसान होता है, जब उसका पशु बीमार हो जाए, और उसे बचाए ना जा सके। मेरठ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी पवित्रजीत सिंह से ईटीवी भा हरियाणा से फैली ये बीमारी, उत्तराखंड के रास्ते यूपी आई। मेरठ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी पवित्र जीत सिंह ने बताया कि यह वायरस से फैलने वाली बीमारी है और पहले यह हरियाणा में आई थी और उसके बाद उत्तराखंड में आई और सहारनपुर से होते हुए अब इसका असर मेरठ में भी है। वह बताते हैं कि मेरठ को फायदा यह हुआ कि जैसे ही इसका प्रकोप बढ़ना शुरू हुआ था, तभी मेरठ में इसकी वैक्सीन को लेकर तैयारी शुरू हो गई थी और शासन की तरफ से समय से वैक्सीन लेकर वैक्सीन भी लगाई जा रही है।

खराब फिटनेस बनाम फेफड़ों की समस्या: दोनों के बीच के अंतर को कैसे पहचानें?

बहुत से लोगों को रोजाना के काम करते समय सांस लेने में तकलीफ होती है। वे अक्सर सोचते हैं कि क्या यह सिर्फ मोटापे या फिजिकल एक्टिविटी की कमी की वजह से है, या यह फेफड़ों की किसी अंदरूनी समस्या की वजह से है। कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट और थेरेट फिजिशियन डॉ. महावीर मोदी कहते हैं कि ऐसे कई मरीज उनके पास अक्सर यह सवाल लेकर आते हैं।

वह मानते हैं कि यह एक सही चिंता है, क्योंकि सांस लेने में तकलीफ के कई कारण हो सकते हैं। फिजिकल एक्टिविटी की कमी या खराब फिजिकल फिटनेस निश्चित रूप से रोजाना के कामों को और मुश्किल बना सकती है। हालांकि, अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD), ब्रोंकाइटिस और सांस की दूसरी बीमारियाँ जैसी बीमारियाँ से भी सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। सबसे जरूरी बात यह है कि इस बात पर ध्यान दिया जाए कि सांस फूलने की समस्या कैसे होती है, यह कितनी देर तक रहती है और क्या इसके साथ कोई और लक्षण भी दिखाई देते हैं, जैसे कि...

फिजिकल एक्टिविटी बंद करने के बाद कितनी जल्दी ठीक हो जाते हैं? सबसे आसान संकेतों में से एक यह है कि आप फिजिकल एक्टिविटी बंद करने के बाद कितनी जल्दी ठीक हो जाते हैं। अगर सांस लेने में तकलीफ मुख्य रूप से खराब फिटनेस की वजह से है, तो आमतौर पर आराम करने के कुछ मिनट बाद आपकी सांस नॉर्मल हो जाती है। हालांकि, अगर आराम करने के बाद भी सांस फूलना 10-15 मिनट या उससे ज्यादा समय तक रहता है, खासकर अगर ऐसा बार-बार होता है, तो यह किसी अंदरूनी मेडिकल समस्या का संकेत हो सकता है जिसके लिए



जांच की जरूरत है। रेगुलर एक्सरसाइज पर शरीर का रिस्पॉन्स डॉ. महावीर मोदी के मुताबिक, एक और जरूरी बात यह है कि आपका शरीर रेगुलर एक्सरसाइज पर कैसा रिस्पॉन्स देता है। अगर आप बस अनफिट हैं, तो धीरे-धीरे फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाने से समय के साथ आपका स्टैमिना बेहतर होगा। कुछ हफ्तों तक लगातार चलने या दूसरी सही एक्सरसाइज करने के बाद, आप देखेंगे कि वही एक्टिविटीज सांस लेने में कम दिक्कत पैदा करती हैं। इसके उलट, अगर फेफड़ों में कोई अंदरूनी दिक्कत है, तो फिजिकल एक्सरसाइज से खांसी, घरघराहट, सीने में जकड़न या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण हो सकते हैं। सांस से जुड़े अन्य लक्षणों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। अगर आपकी फिटनेस अच्छी नहीं है, तो सीढ़ियाँ चढ़ने या दौड़ने जैसी शारीरिक मेहनत करने पर सांस फूल सकती है और मांसपेशियाँ थकान हो सकती हैं। हालांकि, आराम करने पर यह आम तौर पर जल्दी ठीक हो जाता है। अगर सांस फूलने के साथ-साथ लगातार खांसी, सांस लेते समय घरघराहट या बहुत ज्यादा बलगम बनने जैसी समस्या हो, तो यह अस्थमा, क्वब या सांस के किसी अन्य संक्रमण का संकेत हो सकता है।

ध्यान दें कि सांस फूलने की समस्या कब होती है। डॉ. महावीर मोदी का कहना है कि यह ध्यान देना भी जरूरी है कि सांस फूलने की समस्या कब होती है। डीकडीशनिंग की वजह से आमतौर पर ज्यादा मेहनत वाले कामों, जैसे कई मंजिल सीढ़ियाँ चढ़ने या दौड़ने पर सांस फूलती है। लेकिन, फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं में हल्की गतिविधियाँ, जैसे बिस्तर ठीक करने, जूते के फीते बांधने या देर तक बात करने पर भी सांस फूल सकती है। सीधे लेटने पर सांस लेने में तकलीफ होना भी एक चेतावनी का संकेत हो सकता है और इसे नजरअंदाज करने के बजाय इसकी जांच करवानी चाहिए। तुरंत मेडिकल मदद की जरूरत। कुछ लक्षणों के लिए तुरंत मेडिकल मदद की जरूरत होती है। इनमें शामिल हैं, रात में अचानक सांस के लिए हाँफते हुए जागना, पैरों या टखनों में सूजन, होंठों या उंगलियों के नाखूनों का नीला पड़ना, सीने में दर्द या देवाव महसूस होना, या सांस लेने के लिए रुकें बिना कोई वाक्य पूरा न कर पाना।

टेस्ट करवाना बेहद जरूरी। अगर सांस फूलने की समस्या लगातार बनी रहती है, बार-बार होती है या की जा रही गतिविधि के हिसाब

सेब खरीदने से पहले किन बातों का रखना चाहिए ध्यान, जान लें वरना आपके साथ भी हो सकता है धोखा!

सेब खरीदने से पहले किन बातों का रखना चाहिए ध्यान, जान लें वरना आपके साथ भी हो सकता है धोखा! जब हम बड़े उत्साह से चमकीले लाल, सुंदर सेब खरीदते हैं, और घर पर पड़ला निवाला खाते ही पाते हैं कि वे बेस्वाद या बहुत ज्यादा खट्टे हैं, तो हमारा मूड पूरी तरह खराब हो जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सेब का बाहर से आकर्षक लाल रंग इस बात की गारंटी नहीं देता कि वह अंदर से मीठा और जूसी होगा। बाजार में मिलने वाले सेब अक्सर आकर्षक दिखाने के लिए वैक्स या मोम की परत से ढके होते हैं। इससे वे चमकदार तो दिखते हैं, लेकिन उनकी अंदरूनी क्वालिटी उस दिखावट के बराबर नहीं होती है।

बहुत से लोग केवल उसी सेबों को चुनते हैं जो बाहर से लाल और चमकदार दिखते हैं। हालांकि, जानक। रों की सलाह है कि सिर्फ रंग देखकर सेब की क्वालिटी और मिठास का अंदाजा लगाना गलत है। फल बेचने वालों और जानकारों के बताए कुछ आसान तरीकों को अपनाकर आप हमेशा अच्छी क्वालिटी वाले, मीठे और रसीले सेब चुन सकते हैं। आइए, इस खबर में सेब खरीदते समय ध्यान रखने लायक कुछ जरूरी बातों पर नजर डालते हैं...

झड़पूँ'ज जब सवयाकित इमवितम इनलपदह चयसमे, वजीमपूेम, लपन बवनसक हमज बीमजमक जवप सेब खरीदने से पहले किन बातों का रखना चाहिए ध्यान, जान लें वरना आपके साथ भी हो सकता है धोखा! (अच्छे ठमाले)

कजन चेक करें- यह एक बहुत आसान और सही तरीका है। अगर आप एक ही साइज के दो सेब अपने



हाथों में पकड़ें, तो आप आसानी से बता सकते हैं कि कौन-सा ज्यादा भारी है। एक ताजा सेब अपने साइज के हिसाब से थोड़ा ज्यादा भारी लगता है। अगर वह बड़ा दिखे लेकिन हाथ में हल्का लगे, तो इसका मतलब है कि उसके अंदर का मॉइश्चर सूख गया है और फल सूखने लगा है। ऐसे सेब खाने में नरम और बेस्वाद लगेंगे। इसलिए, वही सेब चुनें जो आकार से ज्यादा भारी लगे।

खुशबू सूंधकर देखें- एक पके, मीठे सेब से उसकी डंठल के पास से ही कुदरती तौर पर मीठी खुशबू आती है। अगर आप फल को अपनी नाक के पास ले जाएं और कोई खुशबू न आए, तो या तो उसे समय से पहले ही तोड़ लिया गया है या फिर लंबे समय तक रखे रहने के कारण उसका कुदरती स्वाद खत्म हो गया है। जिस सेब से अच्छी, मीठी खुशबू आती है, उसके अंदर से भी उतना ही मीठा और स्वादिष्ट होने की पूरी संभावना होती है।

सेब को छूकर देखें- सिर्फ लाल रंग

पर मरोसा न करें। एक ही पेड़ पर लगे फलों का रंग धूप के संपर्क में आने के तरीके के आधार पर बदलता रहता है। इसलिए, फल को अंगूठे से हल्के से दबाकर देखें। छिलका कसा हुआ और थोड़ा सख्त महसूस होना चाहिए। अगर दबाने पर फल का कोई छोटा सा हिस्सा भी नरम लगे, तो समझ लीजिए कि अंदर से फल खराब है। डंठल की जांच करें- सेब के ऊपरी हिस्से में मौजूद डंठल उसकी ताजगी का प्रमाण होता है। ताजे सेब का डंठल हल्का हरा होता है और मजबूती से जुड़ा होता है। यदि डंठल सुखकर गिरने लगे, या डंठल के आसपास की त्वचा झुर्रदार और अंदर की ओर वंसी हुई दिखाई दे, तो यह एक पुराना फल है। ऐसे फलों का कुरकुरापन और मिठास कम हो जाती है।

उंगली से थपथपाकर देखें- जैसे आप तरबूज को थपथपाते हैं, वैसे ही सेब को अपनी उंगली से हल्के से थपथपाएं। अगर थपथपाने पर ठोस,

मिर्जापुर में रिश्तखोर पुलिसकर्मियों पर गाज, नो एंट्री में 500 रुपये लेकर ट्रक पास कराने पर 3 सिपाही निलंबित



मिर्जापुर: मिर्जापुर जिले में ट्रकों से अवैध वसूली के खिलाफ पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक ने कार्रवाई की है। नो एंट्री में गाड़ियों को पास कराने के नाम पर 500-600 रुपये वसूलने वाले तीन सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। गाड़ियों से अवैध एंट्री लेने के आरोप में ट्रैफिक सिपाही तेजु यादव, वरकछा चौकी के सिपाही मो. अंसार और आशुतोष गौतम पर यह गाज गिरी है। पुलिस अधिकारियों की इस सख्त कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मच गया है।

जांच में घोल खुलते ही सस्पेंड हुए तीन सिपाही। (टपकमप बामकफज: म्स्ट टीतंज)ट्रक मालिक ने बनाया था रिश्तखोरी का वीडियो: यह पूरा मामला देहात वोटवाली क्षेत्र के बरकछा रामटेक चौराहा स्थित पुलिस बूथ का है। हाईवे के फ्लाईओवर के नीचे से गुजरने वाले ट्रकों से सिपाही नो एंट्री में गाड़ियों को भी सदर की जांच में सही पाया गया आरोप: एसपी अर्पणा रजत कौशिक तक वीडियो पहुंचते ही उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत सदर सीओ जटाशंकर मिश्र को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच मोपी। जांच रिपोर्ट में ट्रकों से वसूली का आरोप पूरी तरह सही पाया गया, जिसके तुरंत बाद तीनों दोषी सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना था कि ट्रकों के खलासी पुलिस बूथ के अंदर जाकर रुपये रखते थे और तब गाड़ियों आगे बढ़ती थीं। गलत काम करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: एसपी अर्पणा रजत कौशिक ने बताया कि अवैध वसूली की शिकायत मिलने पर तीन सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार या गलत काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ आगे भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से जिले में अवैध वसूली करने वालों में खौसख्त कार्रवाई: एसपी अर्पणा रजत फ का माहौल है। 'पास कराने के बदले ऐसे वसूलते थे। इस करतूत से परेशान होकर एक ट्रक मालिक भोला सिंह ने छिपकर पूरा वीडियो बना लिया। भोला सिंह ने वसूली के दो-तीन वीडियो बनाकर 23 सितंबर को सीधे पुलिस अधीक्षक के क्वाटर्स पर भेज दिए।

सीओ सदर की जांच में सही पाया गया आरोप: एसपी अर्पणा रजत कौशिक तक वीडियो पहुंचते ही उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत सदर सीओ जटाशंकर मिश्र को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच मोपी। जांच रिपोर्ट में ट्रकों से वसूली का आरोप पूरी तरह सही पाया गया, जिसके तुरंत बाद तीनों दोषी सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना था कि ट्रकों के खलासी पुलिस बूथ के अंदर जाकर रुपये रखते थे और तब गाड़ियों आगे बढ़ती थीं। गलत काम करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: एसपी अर्पणा रजत कौशिक ने बताया कि अवैध वसूली की शिकायत मिलने पर तीन सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार या गलत काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा कगया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार या गलत काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ आगे

प्रयागराज: पूरब का ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले ऐतिहासिक इलाहाबाद विश्वविद्यालय का बुधवार को 139वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। डेढ़ सदी के करीब पहुंचे इस संस्थान की पहचान केवल इसके भव्य भवनों तक सीमित नहीं है, बल्कि उस वैचारिक ऊर्जा में है जिसने देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर नीति-निर्माण, साहित्य, न्यायपालिका और प्रशासनिक ढांचे को गढ़ा है। प्रदर्शनी सजी, वहीं दूसरी ओर वर्तमान दौर की चुनौतियों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्पे) के आधुनिक आयामों पर भी विमर्श किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में लगाई गई एलुमनाई की गैलरी इस बात का साक्षात् प्रमाण है कि ये संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने का केंद्र नहीं, बल्कि प्रतिभाओं की शाला रहा है। बात करें प्रदर्शनी की तो युनिवर्सिटी में राजनेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, कार्यवाहक प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा, पूर्व प्रधानमंत्री यशवंतराव चव्हाण, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक भूषण, विनीत सन्न, पंकज मिश्र, वरिष्ठ नौकरशाह बी.के. चतुर्वेदी, त्रिलोकीनाथ जैन और निखिल कुमार और कला और संस्कृति के क्षेत्र में तिमशु बुलिया, सईद जाफरी, विनय पाठक और प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट सुधीर धर केंद्र बने। विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक दौर को याद करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार यश मालवीय ने बताया कि उस समय के छात्रावास किसी गुरुकुल से कम नहीं थे।

“इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संस्कृति का सूरज उगता था और छात्रावासों के कमरा तक उसकी किरणें पहुंचती थीं। तारा, चंद जैसे छात्रावासों में कन्हैयालाल

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का 139वां स्थापना दिवसय महान विभूतियों की प्रदर्शनी के साथ 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर हुआ मंथन

नंदन, बच्चन, कमलेश्वर जैसे दिग्गज रहें। कभी निराला जी आ जाते थे, कभी फिराक साहब बैठ जाते थे, वह दौर केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहर के साहित्यिक-सांस्कृतिक परिवेश को प्राणवायु देता था। भूगोल विभाग के शोधार्थी अभिनव का मानना है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय सिर्फ एक सेल्फी पॉइंट नहीं, 'पिछले कुछ वर्षों में योग्य शिक्षकों की नियुक्तियों के बाद शोध और पठन-पाठन का स्तर काफी संवरा है। आज देश के अलग-अलग राज्यों से छात्र यहां पढ़ने के लिए आ रहे हैं। संस्थान 139 वर्षों के अपने सफर को आगे भी उतनी ही मजबूती से जारी रखे हुए है।

वहीं, विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर जया कपूर ने संस्थान की वर्तमान प्राथमिकताओं और भविष्य के रोडमैप को साझा किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय 140वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और ये विरासत केवल संजोने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 200 से अधिक इलेक्टिव और



139वां स्थापना दिवस

इंटरडिसिप्लिनरी कोर्सेज शुरू किए गए हैं, ताकि छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास हो और वे वैश्विक जरूरतों के अनुरूप तैयार हों। कटिंग-एज विषयों पर शोध को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर जया कपूर ने संस्थान की वर्तमान प्राथमिकताओं और भविष्य के रोडमैप को साझा किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय 140वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और ये विरासत केवल संजोने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 200 से अधिक इलेक्टिव और

इंटरडिसिप्लिनरी कोर्सेज शुरू किए गए हैं, ताकि छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास हो और वे वैश्विक जरूरतों के अनुरूप तैयार हों। कटिंग-एज विषयों पर शोध को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर जया कपूर ने संस्थान की वर्तमान प्राथमिकताओं और भविष्य के रोडमैप को साझा किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय 140वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और ये विरासत केवल संजोने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 200 से अधिक इलेक्टिव और

स्मोकिंग के अलावा, जीवनशैली की ये 4 आदतें भी आपके फेफड़ों को पहुंचा सकती हैं नुकसान



जब लोग फेफड़ों को होने वाले नुकसान के बारे में सोचते हैं, तो आमतौर पर सबसे पहले स्मोकिंग का ही ख्याल आता है। हालांकि क्रोनिक फेफड़ों की बीमारी और फेफड़ों के कैंसर के लिए तंबाकू अभी भी मुख्य और रोकी जा सकने वाली वजह है, लेकिन यह एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो सांस लेने की सेहत पर असर डालती है। रोजमर्रा की जीवनशैली की आदतें धीरे-धीरे फेफड़ों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचा सकती हैं, यहां तक कि उनके उन लोगों में भी जिन्होंने कभी स्मोकिंग नहीं की है।

स्मोकिंग के अलावा आपकी लाइफस्टाइल की ये आदतें जो आपके फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो इस प्रकार हैं...

फिजिकल एक्टिविटी की कमी
जयपुर के नारायणा हॉस्पिटल में पल्मोनोलॉजी के कंसल्टेंट डॉ. हर्षिल अलपानी कहते हैं कि एक वजह जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह है फिजिकल एक्टिविटी की कमी। रेगुलर एक्सरसाइज से सांस लेने वाली मसल्स मजबूत होती हैं। फेफड़ों का काम बेहतर होता है, और शरीर के सभी हिस्सों में बेहतर ऑक्सीजन पहुंचती है। इसके उलट, एक सुस्त लाइफस्टाइल पूरी फिटनेस को कम करती है, सांस की मसल्स को कमजोर करती है और सांस की समस्याओं का खतरा बढ़ा सकती है। खासकर उन लोगों में जो मोटापे या पुरानी बीमारियों से परेशान हैं।

हवा की खराब क्वालिटी एक और अहम लेकिन अक्सर नजरअंदाज किया जाने वाला खतरा घर के अंदर हवा की खराब क्वालिटी है। चूंकि बहुत से लोग अपना ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं, इसलिए वे धूल, फफूंद, पालतू जानवरों की रूसी, अगरबत्ती या मच्छर भगाने वाली कोइल के धूप, खुशबूदार मोमबत्तियों, वायोमास ईंधन या खाना पकाने से निकलने वाले धुएँ (खासकर जब हवा आने-जाने की सही जगह न हो) के संपर्क में आते हैं। ये सभी सांस की नली में जलन पैदा कर सकते हैं। इन प्रदूषकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा बढ़ सकता है, एलर्जी हो सकती है या सांस की पुरानी बीमारियां हो सकती हैं।

खान-पान की आदतें
डाइट का फेफड़ों की सेहत पर असर पड़ता है। बहुत ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, मीठे ड्रिंक्स और अनहेल्दी फैट्स खाने से शरीर में लंबे समय तक और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर संतुलित डाइट में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फेफड़ों के टिशू को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। ज्यादा वजन या मोटापा ज्यादा वजन या मोटापे से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है, क्योंकि शरीर का अतिरिक्त वजन डायाफ्राम और छाती की दीवार की गति को रोकता है, जिससे फेफड़ों का पूरी तरह से फैलना मुश्किल हो जाता है। नतीजतन, रोजमर्रा के कामों के दौरान भी सांस फूल सकती है और

ऑक्सीडेटिव स्लीप एपनिया जैसी स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बाधाओं से जुड़ी लगातार बनी रहने वाली समस्याओं को नजरअंदाज करना एक आम गलती है। तीन हफ्ते से ज्यादा समय तक खांसी, बिना किसी साफ वजह के सांस फूलना, सांस लेते समय घरघराहट की आवाज आना, सीने में बेचीनी या खांसी के साथ खून आना जैसे लक्षणों को सिर्फ मामूली इन्फ्लेमेशन या मौसमी एलर्जी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। शुरुआती दौर में डॉक्टर से सलाह लेने से अस्थमा, क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD), फेफड़ों के इन्फ्लेमेशन या फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों का पता ऐसे स्टेज पर चल सकता है जब उनका इलाज करना आसान होता है। फेफड़ों की सेहत बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका आसान और नियमित आदतों अपनाना है। इनमें शारीरिक रूप से एक्टिव रहना, वजन सही रखना, पोष्टिक खाना खाना, घर के अंदर हवा का अच्छा आवागमन सुनिश्चित करना, धूप और प्रदूषण से बचना और लक्षण बने रहने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना शामिल है। ये सभी उपाय आपके फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। हालांकि फेफड़ों की हर बीमारी को रोकना मुमकिन नहीं है, लेकिन इन स्वस्थ आदतों को अपनाकर सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफी कम किया जा सकता है और जीवन भर बेहतर ढंग से सांस लेने में मदद मिल सकती है। (डिस्कलेमर: यहां दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सुझाव केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए हैं। हम यह जानकारी वैज्ञानिक शोध, अध्ययनों और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के आधार पर प्रदान कर रहे हैं। इन सुझावों का पालन करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करना सर्वोत्तम होगा।) क रहने वाली सूजन (क्रोनिक इन्फ्लेमेशन) हो सकती है, जिससे फेफड़ों के काम करने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके उलट, फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों, नट्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर संतुलित डाइट में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फेफड़ों के टिशू को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। ज्यादा वजन या मोटापा ज्यादा वजन या मोटापे से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है, क्योंकि शरीर का अतिरिक्त वजन डायाफ्राम और छाती की दीवार की गति को रोकता है, जिससे फेफड़ों का पूरी तरह से फैलना मुश्किल हो जाता है। नतीजतन, रोजमर्रा के कामों के दौरान भी सांस फूल सकती है और

ऑक्सीडेटिव स्लीप एपनिया जैसी स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बाधाओं से जुड़ी लगातार बनी रहने वाली समस्याओं को नजरअंदाज करना एक आम गलती है। तीन हफ्ते से ज्यादा समय तक खांसी, बिना किसी साफ वजह के सांस फूलना, सांस लेते समय घरघराहट की आवाज आना, सीने में बेचीनी या खांसी के साथ खून आना जैसे लक्षणों को सिर्फ मामूली इन्फ्लेमेशन या मौसमी एलर्जी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। शुरुआती दौर में डॉक्टर से सलाह लेने से अस्थमा, क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD), फेफड़ों के इन्फ्लेमेशन या फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों का पता ऐसे स्टेज पर चल सकता है जब उनका इलाज करना आसान होता है। फेफड़ों की सेहत बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका आसान और नियमित आदतों अपनाना है। इनमें शारीरिक रूप से एक्टिव रहना, वजन सही रखना, पोष्टिक खाना खाना, घर के अंदर हवा का अच्छा आवागमन सुनिश्चित करना, धूप और प्रदूषण से बचना और लक्षण बने रहने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना शामिल है। ये सभी उपाय आपके फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। हालांकि फेफड़ों की हर बीमारी को रोकना मुमकिन नहीं है, लेकिन इन स्वस्थ आदतों को अपनाकर सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफी कम किया जा सकता है और जीवन भर बेहतर ढंग से सांस लेने में मदद मिल सकती है। (डिस्कलेमर: यहां दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सुझाव केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए हैं। हम यह जानकारी वैज्ञानिक शोध, अध्ययनों और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के आधार पर प्रदान कर रहे हैं। इन सुझावों का पालन करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करना सर्वोत्तम होगा।)

ज्यादा वजन या मोटापे से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है, क्योंकि शरीर का अतिरिक्त वजन डायाफ्राम और छाती की दीवार की गति को रोकता है, जिससे फेफड़ों का पूरी तरह से फैलना मुश्किल हो जाता है। नतीजतन, रोजमर्रा के कामों के दौरान भी सांस फूल सकती है और

क्या है देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा का महत्व? जानिए किस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनने चाहिए



शारदीय नवरात्रि 2026 की शुरुआत रविवार, 11 अक्टूबर को होगी और यह नौ दिनों का त्योहार 19 अक्टूबर तक चलेगा, इसके बाद, मंगलवार, 20 अक्टूबर को विजयादशमी (यानी दशहरा) मनाया जाएगा, इस त्योहार की शुरुआत अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को घटस्थापना के साथ होती है, जो नवरात्रि के आरंभ का प्रतीक है। 'नवरात्रि' शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'नौ रातों'। इन नौ दिनों के दौरान भक्त देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा करते हैं, प्रत रखते हैं, मंदिरों में जाते हैं और गरबा-डांडिया से लेकर दुर्गा पूजा तक के क्षेत्रीय उत्सवों में शामिल होते हैं।

नवरात्रि देवी शक्ति और देवी दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित है। नवरात्रि बुराई पर अच्छाई की जीत का भी प्रतीक है। यह देवी और उनके अलग-अलग रूपों के इर्द-गिर्द केंद्रित पूजा, प्रार्थना और रीति-रिवाजों का संगम है। आइए, इस खबर में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों और उनके महत्व को विस्तार से जानें।

शैलपुत्री— नवरात्रि का पहला दिन देवी शैलपुत्री को समर्पित है। शैलपुत्री नाम का अर्थ है पर्वत (शैल) की पुत्री। अलग-अलग परंपराओं में उन्हें सती, भवानी, पार्वती और हेमवती जैसे नामों से भी जाना जाता है। वह शक्तिशाली ब्रह्मा, विष्णु और महादेव की संयुक्त शक्ति का प्रतीक हैं और इसी रूप में उनकी पूजा की जाती है। उन्हें माथे पर अर्धचंद्र, दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल लिए हुए दिखाया जाता है। वह नंदी बैल को सवारी करती हैं।

रंग— नवरात्रि के पहले दिन, देवी शैलपुत्री को नारंगी रंग विशेष रूप से पसंद हैं। भक्तों को इस दिन इसी रंग के कपड़े पहनने चाहिए। खुशी जाहिर करने के अलावा, यह रंग जोश और सफलता का भी प्रतीक है।

ब्रह्मचारिणी— दूसरा दिन देवी ब्रह्मचारिणी को समर्पित है। उन्हें त्याग और अनुशासन की देवी माना जाता है। उनके नाम 'ब्रह्मचारिणी' का अर्थ है ऐसी स्त्री जो ब्रह्मचर्य का पालन करती है, यानी एक ऐसा जीवन जिसमें संयम और सांसारिक सुखों का त्याग शामिल है। वह नंगे पैर चलती हैं, उनके दाहिने हाथ में जप माला और बाएं हाथ में कमंडल होता है। देवी अपने भक्तों पर कृपा, आनंद, शांति और समृद्धि की वर्षा करती हैं।

रंग— नवरात्रि के दूसरे दिन देवी ब्रह्मचारिणी को सफेद रंग बेहद प्रिय है। भक्तों को इस दिन सफेद कपड़े पहनने चाहिए। सफेद रंग पवित्रता, कोमलता, आंतरिक शांति और शुचित्वा का प्रतीक माना जाता है।

चंद्रघंटा— नवरात्रि का तीसरा दिन देवी चंद्रघंटा को समर्पित है, जो दैवीय शक्ति का स्वरूप हैं। देवी का यह रूप परम शांति और कल्याण देने

वाला माना जाता है। उनका नाम 'चंद्रघंटा' इसलिए पड़ा क्योंकि उनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव से विवाह के बाद उन्होंने अपने माथे पर यह अर्धचंद्र धारण करना शुरू किया था। देवी चंद्रघंटा शेर पर सवार होती हैं और उनकी दस भुजाएं हैं, जिनमें वे विभिन्न अस्त्र-शस्त्र और कमल का फूल धारण करती हैं। नवरात्रि के तीसरे दिन, भक्त पूरी श्रद्धा के साथ उनकी पूजा करते हैं और अपने जीवन से सभी प्रकार के भय और बाधाओं को दूर करने तथा शांति, साहस और सफलता की प्राप्ति की कामना करते हैं।

रंग— नवरात्रि के तीसरे दिन, देवी चंद्रघंटा को लाल रंग बेहद पसंद है। भक्तों को इस दिन लाल रंग के कपड़े पहनने चाहिए, क्योंकि यह रंग साहस और उत्साह का प्रतीक है।
कूष्माण्डा— नवरात्रि का चौथा दिन देवी कूष्माण्डा को समर्पित है। उनका यह नाम सूर्य-मंडल में निवास करने और सूर्य के समान तेजस्वी ऊर्जा व आभा रखने की उनकी क्षमता के कारण पड़ा है। नवरात्रि के त्योहार के दौरान, इस देवी का महत्व इस बात में निहित है कि वह अपने भक्तों को अच्छा स्वास्थ्य, शक्ति और जीवन-ऊर्जा प्रदान करती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था, तब इन्होंने ही अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इन्हें सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा जाता है। इन्हें अष्टभुजा देवी के नाम से भी जाना जाता है। देवी के सात हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमल का फूल, अमृत से भरा पात्र, चक्र और गदा सुशोभित हैं। उनके आठवें हाथ में जपमाला है, जो सभी सिद्धियों और निधियों को प्रदान करती है। देवी कूष्माण्डा सिंह पर सवार हैं, जो साहस और वीरता का प्रतीक है।

रंग— नवरात्रि के चौथे दिन, देवी कूष्माण्डा को रॉयल ब्लू रंग विशेष रूप से प्रिय है। भक्तों को देवी की पूजा करते समय इसी रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। यह रंग जीवन में यश, सुख और समृद्धि का प्रतीक है। स्कंदमाता— स्कंदमाता देवी दुर्गा का पांचवां रूप हैं और नवरात्रि के पांचवें दिन उनकी पूजा की जाती है। देवी के इस रूप में उन्हें कार्तिकेय को अपनी गोद में लिए हुए दिखाया गया है, इसीलिए कार्तिकेय को 'स्कंद' के नाम से भी जाना जाता है। देवी के इस रूप को चार भुजाओं और तीन नेत्रों वाली देवी के रूप में दिखाया गया है, जो शेर पर सवार हैं। देवी की चार भुजाओं में से दो में कमल हैं, जबकि बाकी दो भुजाओं में से एक में कार्तिकेय हैं और दूसरी भुजा आशीर्वाद मुद्रा या अभयमुद्रा में है।

रंग— नवरात्रि के पांचवें दिन देवी स्कंदमाता को पीला रंग विशेष रूप से

प्रिय है। इस दिन भक्तों को पीले रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। यह रंग खुशी और ऊर्जा का संचार करता है। कात्यायनी— कात्यायनी देवी दुर्गा का छठा रूप हैं और नवरात्रि के छठे दिन उनकी पूजा की जाती है। उन्हें महादेवी या दुर्गा के बौद्धा रूप में दिखाया जाता है। भद्रकाली और चंडिका दुर्गा के दो अन्य उग्र रूप हैं। इस रूप में, देवी को शेर पर सवार दिखाया गया है, जिनकी अटारह भुजाएं हैं और वे देवताओं द्वारा दिए गए विभिन्न अस्त्र-शस्त्र धारण किए हुए हैं। उन्हें कात्यायनी इसलिए कहा जाता है क्योंकि ऋषि कात्यायन ने देवी दुर्गा की तपस्या की थी और यह वरदान मांगा था कि वे उनकी पुत्री के रूप में जन्म लें।

रंग— नवरात्रि के छठे दिन देवी कात्यायनी को हरा रंग पसंद है। भक्तों को इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिए। यह रंग एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है और इसे उर्वरता और विस्तार की भावना जगाने के लिए पहना जाता है।
कालरात्रि— कालरात्रि देवी दुर्गा का सातवां और सबसे उग्र रूप है। उन्हें अधरे और अज्ञानता को मिटाने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब राक्षस रक्तबीज और अन्य राक्षसों के साथ युद्ध के दौरान देवी चंडी का क्रोध चरम पर था, तब उनके माथे से दमकते हुए आग की भावना का प्रकट हो आया। हालांकि देवी काली अज्ञानता और अधरे के विनाश का प्रतीक हैं, फिर भी वे अपने भक्तों के प्रति दयालु रहती हैं। उनके बड़े, बिखरे हुए काले बाल, खून जैसी लाल आंखें और खून जैसा लाल मुँह उन्हें सचमुच डरावना रूप देते हैं। फिर भी, देवी का यह रूप जितना उग्र और डरावना है, उतना ही कल्याणकारी भी है और अपने भक्तों को निर्भयता प्रदान करता है।

रंग— नवरात्रि के सातवें दिन देवी कालरात्रि को ग्रे रंग विशेष रूप से प्रिय है। भक्तों को इस दिन इसी रंग के कपड़े पहनने चाहिए। यह रंग ऊर्जा का संतुलन बनाए रखता है और लोगों को जमीन से जोड़े रखता है।

महागौरी— महागौरी देवी दुर्गा का आठवां रूप हैं और उन्हें नौ रूपों में सबसे सुंदर माना जाता है। उनकी चमक माँती की तरह शुद्ध होती है। पवित्रता, स्वच्छता, सहनशीलता और शांति की प्रतीक होने के नाते, वह अपने भक्तों की कमियों और गलतियों को मिटा देती हैं। महागौरी की चार भुजाएं हैं। एक दाहिने हाथ से वह दुख दूर करने वाली मुद्रा बनाती हैं, जबकि निचले बाएं हाथ में त्रिशूल धारण करती हैं। उनके ऊपरी बाएं हाथ में एक छोटा डमरू होता है, और निचला बायां हाथ दुनिया को आशीर्वाद देने की मुद्रा में उठा हुआ होता है।

रंग— नवरात्रि के आठवें दिन देवी महागौरी को सफेद रंग विशेष रूप से

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने दबदबे को बरकरार रखते हुए चौथी बार गोल्ड मेडल जीत लिया है।



भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में एक और गोल्ड मेडल जीत लिया है। शनिवार को भारतीय टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से मात दी। इसके साथ भारत 2022 के बाद 2026 में अपने गोल्ड मेडल को बरकरार रखने में सफल रही। इस जीत के बाद भारतीय टीम ने मैदान का चक्कर लगाते हुए वंदे मातरम गीत गाया। खास बात यह है कि ये एशियन गेम्स में भारत का चौथा महिला कबड्डी गोल्ड मेडल है। भारत की महिला कबड्डी टीम ने जकार्ता में 2018 में हुए खेलों के अलावा हर एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीता है। जकार्ता में उसे फाइनल में ईरान ने

हराया था। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने फाइनल में ईरान को हराया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने फाइनल में ईरान को हराया (व्ज) कप्तान ने कर दी बड़ी मांग इस शानदार जीत के बाद भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान पुष्पा राणा ने कबड्डी को कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक खेलों में शामिल करने की मांग की। उन्होंने पाँच से छह कहा, 'ईरान एक बहुत अच्छी टीम है। उन्होंने हमारे खिलाफ कुछ कड़े मुक। पहले खेले हैं। चीनी ताइपे भी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। सभी देशों में सुधार हो रहा है। और हम चाहते हैं कि कबड्डी सभी देशों में खूब आगे बढ़े ताकि भविष्य में इसे कॉमनवेल्थ

गेम्स और ओलंपिक में शामिल किया जा सके। जीत के बारे में बात करते हुए पुष्पा ने कहा कि टीम का पूरा ध्यान गोल्ड मेडल जीतने पर था। उन्होंने कहा, 'शुरु से ही हमारे दिमाग में यही बात थी (गोल्ड जीतना)। हमने सभी मैच एक ही सोच के साथ खेले। हम हर मैच जीतना चाहते थे, भले ही विरोधी टीम मजबूत हो। हर खिलाड़ी को पता था कि मैच को अपने पक्ष में कैसे करना है। तीसरा गोल्डमौजूदा एशियाई खेलों में भारतीय दल के लिए ये तीसरा गोल्ड है। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को हराकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया था। उसके बाद शूटिंग में सुरुचि सिंह और कमलजीत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड टीम मुक। पहले में भारत गोल्ड मेडल दिलाया था। पुरुष कबड्डी टीम से भी उम्मीद भारतीय पुरुष कबड्डी टीम भी फाइनल में है। जिससे भारत को एक और गोल्ड मेडल की उम्मीद है। फाइनल में भारत का सामना ईरान से ही होगा। पुरुष कबड्डी टीम ने भी एक बार छोड़कर हमेशा स्वर्ण पदक जीता है। पुरुष टीम भी जकार्ता में 2018 में फाइनल में ईरान से हारी थी लेकिन हांगकॉंग में 2022 में खिताब जीता था। मेडल टैली एशियन गेम्स 2026 मेडल टैली में भारत अभी 27 मेडल के साथ 12वें स्थान पर है। जिसमें 3 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल हैं। जबकि चीन 166 मेडल (103 गोल्ड, 38 सिल्वर, 25 ब्रॉन्ज) के

एशियन गेम्स 2026: तालिबान की डर से छोड़ा देश, अफगान महिला साइक्लिस्ट ने सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

तालिबान की डर से अपना देश छोड़ने वाली साइक्लिस्ट फरीबा हाशमी ने एशियन गेम्स 2026 में एक प्रेरणादायक कहानी लिखी है। उन्होंने बुधवार को महिलाओं की व्यक्तिगत रोड रेस में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। वो 2002 के बाद एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली पहली अफगानिस्तान की महिला खिलाड़ी बन गईं। न्यूज एजेंसी एएफ के अनुसार, फरीबा ने कहा, 'मैं अभी अपनी भावनाओं को बयां नहीं कर सकती। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा जन्म ऐसे देश में हुआ था जहां सपने देखने वाली महिलाओं पर हमले होते हैं, और मुझे बहुत खुशी है कि मैंने इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मुझे उम्मीद है कि अगली पीढ़ी यहां आएगी और बिना किसी डर के अपने देश का प्रतिनिधित्व करेगी।' फगान महिला साइक्लिस्ट फरीबा हाशमी अफगान महिला साइक्लिस्ट फरीबा हाशमी (एथे) फरीबा इटली क्यों चली गईं? बता दें कि 23 वर्षीय फरीबा पांच साल पहले अपना देश छोड़कर इटली में बस गईं हैं। 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद वह अफगानिस्तान से भाग गई थीं। क्योंकि तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में महिलाओं की शिक्षा और खेल सहित अन्य क्षेत्रों पर रोक लगा दी है। ईडसेडल से अफगान



महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। फरीबा को उम्मीद है कि उनकी जीत से कई अन्य अफगान महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। हाशमी ने कहा, 'उन्होंने हमारी आजादी छीन ली। उन्होंने हमसे सब कुछ छीन लिया। यह सिल्वर मेडल अफगान महिलाओं के साहस को दिखा सकता है, और मैं सच में बहुत खुश हूँ। मैं अकेली नहीं हूँ, मुझे पता है कि मेरे पीछे कई देशों की लाखों महिलाओं का भी यही सपना है और वे मेरे साथ खड़ी हैं।' 15 साल की उम्र से साइक्लिंग शुरू करीबा ने 15 साल की उम्र में अपनी बहन युल्लुज के नक्शेकदम पर चलते हुए साइक्लिंग शुरू की, जो खुद भी एक इंटरनेशनल साइक्लिस्ट हैं। दोनों बहनों में से किसी ने भी पहले कभी बाइक नहीं चलाई थी और 2017 में

अपनी पहली रेस में भाग लेने से पहले वे पड़ोसियों से साइकिल उधार लेकर घंटों तक चलाती थीं। फरीबा हाशमी अपनी बहन युल्लुज हाशमी के साथ (एथे) फरीबा ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया, 'किसी ने कभी नहीं सोचा था कि अफगानिस्तान के फरयाब में महिलाएं साइकिल चलाएंगी। हमें लगा था कि यह छोटी बात होगी, लेकिन इससे काफी हलचल मच गई। मैं हमेशा ट्रेन तक जाने के लिए पुरुषों जैसे कपड़ों में पहने रहती हूँ। मैं कभी हार नहीं मानना। छद्महस्ती और उम्मीद है कि हम लॉस एंजिल्स ओलंपिक में फिर से देख पाएंगे।' फरीबा ने ये भी कहा कि मैं यहां बिना किसी मैकेनिक और बिना किसी तैयारी के आई थी। हम नेशनल फेडरेशन से एक व्यक्ति को साथ लाए थे, और वह सिर्फ कार चला रहा था। हम खुद ही बाइक ठीक कर रहे थे। मैं खुद ही अपनी मैकेनिक थी। मैं खुद ही बाइक धो रही थी। अफगानिस्तान तीन मेडल जीत चुका है। एशियन गेम्स में अफगानिस्तान ने अब तक 3 मेडल अपने नाम कर चुका है। जिसमें दो ब्रॉन्ज और एक सिल्वर मेडल हैं। फरीबा हाशमी ने महिला रोड रेस में सिल्वर जीता है।

वेटलिफ्टिंग में भारत का 28 साल का इंतजार खत्म, मीराबाई चानू ने जीता सिल्वर मेडल

भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने बुधवार को एशियन गेम्स 2026 में मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाली भारतीय एथलीट मीराबाई का ये एशियन गेम्स में पहला मेडल था। मीराबाई ने महिलाओं के 49 किग्रा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। इससे भी अहम बात यह है कि उन्होंने वेटलिफ्टिंग में मेडल जीतने के लिए भारत को 28 साल के इंतजार को खत्म किया। मीराबाई ने ओलंपिक में रजत पदक, विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण सहित तीन पदक तथा राष्ट्रमंडल



खेलों और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के अलावा एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता है। मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में भारत को 28 साल का इंतजार किया। खत्म मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में भारत के 28 साल का इंतजार किया। खत्म

(एथे) भारत का 28 साल का इंतजार खत्म हुआ। कर्णम मल्लेश्वरी ने 1998 के एशियन गेम्स में वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल जीता था और अगले 28 सालों तक भारत को वेटलिफ्टिंग में पॉडियम तक पहुंचने का इंतजार करना पड़ा। चानू ने 28 सालों में एशियन गेम्स में भारत का पहला वेटलिफ्टिंग मेडल जीता। इस जीत ने मीराबाई चानू की उपलब्धियों की सूची में एक कमी को भी पूरा किया, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीते थे, लेकिन इस इवेंट मेडल हमेशा उनकी

आम जनता को बड़ा झटका! अक्टूबर और दिसंबर में फिर बढ़ सकती है आपके लोन की मध्य रिपोर्ट



देश में होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की मासिक किस्त (एम्प) चुकाने वाले करोड़ों लोगों के लिए आने वाले दिन काफी मुश्किल भरे साबित हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक की शोध इकाई यानी एसबीआई रिसर्च ने अपनी ताजा रिपोर्ट में एक बड़ा दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा महंगाई दर में होने वाली संभावित बढ़ोतरी और चौराहा बढ़ते दबाव को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (एम्प) आगामी अक्टूबर और दिसंबर की मासिक नीति समीक्षा बैठकों में ब्याज दरों में 25-25 बेसिस पॉइंट (कुल 0.50) का इजाफा कर सकता है। क्यों बढ़ेगी ब्याज दरें और क्या है वजह? एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस नीतिगत बदलाव के

पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण काम कर रहे हैं। खुदरा महंगाई दर का 6.5 के पार जाना: देश में खुदरा महंगाई दर अगस्त में बढ़कर 4.82 फीसदी पर पहुंच गई है, जो जुलाई में 4.45 फीसदी थी। ग्रामीण इलाकों में यह दर और भी अधिक 5.23 फीसदी रही है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि आने वाले महीनों में यह महंगाई दर 6.5 फीसदी के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर जाएगी। यह सितंबर में 5.88 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में 6.70 फीसदी तक पहुंच सकती है, जिसके बाद वर्ष 2027 की शुरुआत में ही यह 6 फीसदी से नीचे आ जाएगी। कच्चे तेल की कीमतें और आयातित महंगाई: पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे

तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। भारतीय क्रूड बारकेट की कीमतें जुलाई के 82.04 डॉलर से बढ़कर सितंबर में 109.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। इसके चलते आयातित महंगाई पहले ही 7.75 फीसदी की ऊंची दर पर चल रही है, जो घरेलू बाजार में चीजों की कीमतें बढ़ा रही हैं। महंगाई का सामान्यीकरण और बढ़ता दबाव रिपोर्ट में सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर जताई गई है कि महंगाई अब केवल चुनिंदा वस्तुओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सामान्यीकरण (लमदमर्तसर्पेजपवद) शुरू हो चुका है। एसबीआई रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 में खुदरा महंगाई सूचकांक में योगदान देने वाली वस्तुओं की संख्या जो

पंजाब: त्योहारों से पहले सरकारी कर्मचारियों को बंपर तोहफा, व। में सीधे 8: की भारी बढ़ोतरी



इ: पंजाब की बगवत मान सरकार ने राज्य को करीब 250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा। हालांकि, सरकार का कहना है कि ये इस खर्च के लिए पूरी तरह तैयार हैं और कर्मचारियों की गरिमा उनकी सर्वाधिक प्राथमिकता है। बाद से सुलझा विवाद: महिला कर्मचारियों को भी बड़ी राहत लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारी यूनियनों के साथ मुख्यमंत्री बगवत मान ने खुद बातचीत की कमान संभाली। उन्होंने टकराव का रास्ता छोड़कर संवाद का जरिया चुना। इस बैठक में न सिर्फ डीए बढ़ाने पर सहमति बनी, बल्कि मुख्यमंत्री ने भविष्य में किसी भी विवाद से बचने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ हर महीने अनिवार्य रूप से बैठक करने का भी निर्देश दिया है। इसके साथ ही, सरकार ने महिला कर्मचारियों की सहायता को ध्यान में रखते हुए एक और संवेदनशील फैसला लिया है। अब राज्य की सभी महिला कर्मचारियों को उनके घर से 40 किलोमीटर के दायरे के भीतर ही पोस्टिंग दी जाएगी, ताकि वे अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बिना किसी तनाव के निभा सकें। 70,000 युवाओं को पारदर्शी नौकरियां: मुख्यमंत्री मान ने इस मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए निक व्यवस्था की रीढ़ है। एक संतुष्ट 1: मुहैया कराई है। इसके अलावा, पुरानी पेंशन योजना (पी) और अन्य लंबित भत्तों पर भी सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है।

यहीं पंजाब के सरकारी खजाने पर हर महीने करीब 250 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा। हालांकि, सरकार का कहना है कि ये इस खर्च के लिए पूरी तरह तैयार हैं और कर्मचारियों की गरिमा उनकी सर्वाधिक प्राथमिकता है। बाद से सुलझा विवाद: महिला कर्मचारियों को भी बड़ी राहत लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारी यूनियनों के साथ मुख्यमंत्री बगवत मान ने खुद बातचीत की कमान संभाली। उन्होंने टकराव का रास्ता छोड़कर संवाद का जरिया चुना। इस बैठक में न सिर्फ डीए बढ़ाने पर सहमति बनी, बल्कि मुख्यमंत्री ने भविष्य में किसी भी विवाद से बचने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ हर महीने अनिवार्य रूप से बैठक करने का भी निर्देश दिया है। इसके साथ ही, सरकार ने महिला कर्मचारियों की सहायता को ध्यान में रखते हुए एक और संवेदनशील फैसला लिया है। अब राज्य की सभी महिला कर्मचारियों को उनके घर से 40 किलोमीटर के दायरे के भीतर ही पोस्टिंग दी जाएगी, ताकि वे अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बिना किसी तनाव के निभा सकें। 70,000 युवाओं को पारदर्शी नौकरियां: मुख्यमंत्री मान ने इस मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए निक व्यवस्था की रीढ़ है। एक संतुष्ट 1: मुहैया कराई है। इसके अलावा, पुरानी पेंशन योजना (पी) और अन्य लंबित भत्तों पर भी सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है।

कर्मचारी ही सिस्टम को बेहतर बना सकता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने कार्यकाल में अब तक बिना किसी भ्रष्टाचार और पूरी पारदर्शिता के साथ ककराय का रास्ता छोड़कर संवाद का जरिया चुना। इस बैठक में न सिर्फ डीए बढ़ाने पर सहमति बनी, बल्कि मुख्यमंत्री ने भविष्य में किसी भी विवाद से बचने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ हर महीने अनिवार्य रूप से बैठक करने का भी निर्देश दिया है। इसके साथ ही, सरकार ने महिला कर्मचारियों की सहायता को ध्यान में रखते हुए एक और संवेदनशील फैसला लिया है। अब राज्य की सभी महिला कर्मचारियों को उनके घर से 40 किलोमीटर के दायरे के भीतर ही पोस्टिंग दी जाएगी, ताकि वे अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बिना किसी तनाव के निभा सकें। 70,000 युवाओं को पारदर्शी नौकरियां: मुख्यमंत्री मान ने इस मौके पर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए निक व्यवस्था की रीढ़ है। एक संतुष्ट 1: मुहैया कराई है। इसके अलावा, पुरानी पेंशन योजना (पी) और अन्य लंबित भत्तों पर भी सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है।

‘पुरुषन’ के सेट पर चोटिल हुए एक्टर विशाल, साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की बैठक में नहीं हो पाएंगे शामिल

हैदराबाद: सुंदर सी. के डायरेक्शन में बन रही अगली फिल्म ‘पुरुषन’ के लिए एक जबरदस्त एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान एक्टर विशाल को पीठ पर चोट लग गई। इस तमिल फिल्म में वह तमन्ना भाटिया के साथ काम कर रहे हैं। एक्टर ने बताया कि गोवा में सेट पर लगी चोट की वजह से उन्हें काम से ब्रेक लेना पड़ रहा है। चोट की वजह से वह साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की आने वाली जनरल बॉडी मीटिंग में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने ठीक होने और काम पर लौटने के लिए लोगों के सपोर्ट और शुभकामनाओं का शुक्रिया अदा किया।

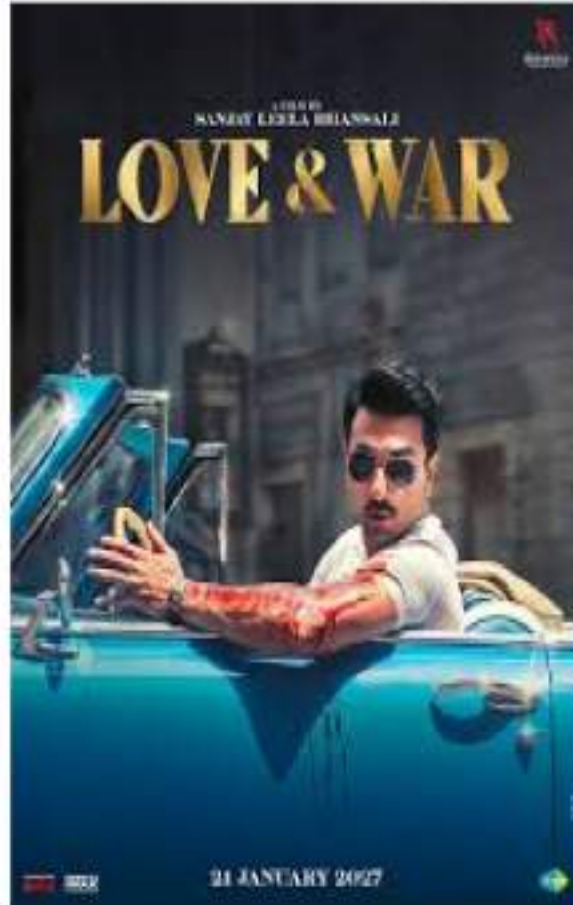
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल ने बताया कि उन्हें यह चोट सुंदर सी. के निर्देशन में बन रही फिल्म ‘पुरुषन’ के एक मुश्किल एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। विशाल ने कहा, “सुंदर सी. के निर्देशन में बन रही मेरी अगली फिल्म ‘पुरुषन’ के बलाइगैक्स की शूटिंग गोवा में हो रही थी। एक जबरदस्त फाइट सीन के दौरान एक अनचाहा हादसा हो गया और मेरी पीठ में चोट लग गई।” घटना के तुरंत बाद एक्टर की मेडिकल जांच की गई और उन्हें अपनी रेगुलर एक्टिविटीज पर लौटने से पहले पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार, पूरी तरह ठीक होने में तीन हफ्ते का आराम लेना होगा।



मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (जिसे नादिगर संगम भी कहा जाता है) के जनरल सेक्रेटरी और एक्टर, 27 सितंबर को होने वाली ऑर्गनाइजेशन की जनरल बॉडी मीटिंग में शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा, “मुझे सच में अफसोस है कि मैं खुद इसमें शामिल नहीं हो पा रहा हूँ। उम्मीद है आप मेरी स्थिति समझेंगे, मैं जल्द ठीक होकर अपने रेगुलर कामों पर लौटने का इंतजार कर रहा हूँ।” उन्होंने इस जरूरी मीटिंग में शामिल न हो पाने पर अफसोस भी जताया। विशाल ने दुआओं और अपनी सेहत

के बारे में चिंता जताते हुए पूछने के लिए सभी का शुक्रिया भी अदा किया। विशाल और तमन्ना एक बार फिर सुंदर सी. की फिल्म ‘पुरुषन’ के लिए साथ आ रहे हैं। विशाल ‘मीसाया मुरुक्कु’ (2017) और ‘एक्शन’ जैसी हिट फिल्मों के बाद इस डायरेक्टर के साथ फिर से काम कर रहे हैं। उनकी पिछली साथ वाली फिल्म ‘महा गुजा राजा’ थी। विशाल की पिछली फिल्म ‘मगदम’ थी, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट भी किया था। इस फिल्म में उन्होंने किरुबाकरन ‘कृपा’ और डॉन लिंगप्पा ‘लिंगा’ के तौर पर डबल रोल निभाया था।

‘नजरें मिलेंगी..लेकिन हटेंगी नहीं’, भंसाली की ‘लव एंड वॉर’ से विक्की कौशल का फर्स्ट लुक आउट, फुल स्वैग में दिखे एक्टर



हैदराबाद: संजय लीला भंसाली ‘हीरामंडी’ के बाद अब फिल्म लव एंड वॉर से धमाका करने जा रहे हैं। फिल्म साल 2027 के पहले ही महीने में रिलीज होने जा रही है। इससे पहले

फिल्म की लीड स्टारकास्ट के एक के बाद एक फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं। बीते दिनों रणवीर कपूर और आलिया भट्ट के फिल्म से फर्स्ट लुक सामने आए थे, जिन्होंने इंटरनेट पर धमाका मचाया हुआ है। आज 26 सितंबर को विक्की कौशल का भी फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। भंसाली प्रोडक्शन ने फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विक्की कौशल का फर्स्ट लुक शेयर किया है। विक्की कौशल अपने फर्स्ट लुक में दमदार लग रहे हैं। विक्की कौशल का लव एंड वॉर से फर्स्ट लुक शेयर कर

प्रोडक्शन ने लिखा है, नजरें मिलेंगी, लेकिन हटेंगी नहीं। विक्की कौशल के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह पूरी स्वैग में नजर आ रहे हैं। उन्होंने मुंह में सिगरेट दबाई हुई और लाइट्स से

जलाते दिख रहे हैं। विक्की की आंखें बता रही हैं कि उनका किरदार एक अलग ही शोध में नजर आने वाला है। विक्की कौशल के फर्स्ट लुक पर सेलेब्स के रिएक्शन भी आने शुरू हो गये हैं। आलिया भट्ट ने विक्की कौशल के फर्स्ट लुक पर कई फायर इमोजी पोस्ट कर इसे फायर बताया है। विक्की के छोटे भाई सनी कौशल ने लिखा है, अरे भाई..भाई और फायर इमोजी शेयर किए हैं। सोनम कपूर ने भी विक्की कौशल के फर्स्ट लुक पर फायर इमोजी पोस्ट किए हैं। विक्की के फैन ने भी उनके इस लुक पर कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी की बाढ़ ला दी है। बता दें, इससे पहले आए रणवीर कपूर के फर्स्ट लुक ने भी संजय लीला भंसाली के फैंस को चौंका दिया था और सेलेब्स ने भी खूब तारीफ की थी। वहीं, आलिया भट्ट की कैंबरे लुक में आई पहली झलक अभी तक सोशल मीडिया पर छाई हुई है। फिल्म से एक-एक कर तीनों लीड स्टारकास्ट के फर्स्ट लुक सामने आ चुके हैं, जो दर्शकों को बेचीनी बढ़ाने के लिए काफी है। अब इनलेकिन हटेंगी नहीं। विक्की कौशल के सभी लुक को देखने के बाद दर्शकों को फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है। फिल्म 21 जनवरी 2027 को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है। अगर आप फिल्म लव एंड वॉर से रणवीर कपूर और आलिया भट्ट का फर्स्ट लुक देखना चाहते हैं तो नीचे दिए गये लिंक पर क्लिक करें..

सलमान खान की ‘मातृभूमि’ को नहीं मिली ब्थू से राहत, चीन से जुड़े कनेक्शन के कारण अटकी फिल्म की रिलीज?

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित वॉर ड्रामा फिल्म ‘मातृभूमि’ में वॉर रेस्ट इन चीन के सामने एक और रुकावट आती दिख रही है। खबर है कि चीन से इसके कनेक्शन के कारण फिल्म के सर्टिफिकेशन में देरी हो रही है। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि सीबीएफसी द्वारा अगले हफ्ते फिल्म की स्क्रीनिंग किए जाने की उम्मीद के बाद फिल्म का काम आगे बढ़ सकता है। हालांकि, एक ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस मामले में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन चीन की स्क्रीनिंग अगले हफ्ते सेंसर बोर्ड के सामने होनी है, जिससे इसके जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने की अटकलें लगने लगीं। लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी कोई स्क्रीनिंग तय नहीं की गई है और जियो-पॉलिटिकल बैकग्राउंड की वजह से फिल्म की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिल्म की सीबीएफ स्क्रीनिंग अभी तक तय नहीं हुई है। सोर्स ने बताया, ‘काश ये खबरें सच होतीं, लेकिन भारी मन से मुझे आपको बताना पड़ रहा है कि कुछ इस बात है कि इसकी सीबीएफसी स्क्रीनिंग के बारे में कोई



अपडेट नहीं है। चीन से जुड़े मामले की वजह से फिल्म अभी भी अटकी हुई है। 2026 में रिलीज होने की संभावना पर बात करते हुए सोर्स ने कहा, ‘जैसा कि पहले कहा गया है, सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि मामले कब सुलझते हैं। अगर यह जल्दी हो जाता है, तो मेकर्स

निश्चित रूप से 2026 में ही फिल्म को सिनेमाघरों में लाने की कोशिश करेंगे, हालांकि इसके लिए पर्याप्त खाली स्लॉट उपलब्ध नहीं हैं। वरना, इसे 2027 के लिए टाल दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस मामले को सुलझाने के लिए संबंधित सरकारी अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद है कि मामला सुलझने के बाद फिल्म सीबीएफसी सर्टिफिकेशन के लिए आगे बढ़ेगी, जिसके बाद मेकर्स इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने की दिशा में काम कर सकेंगे। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इस प्रक्रिया में कितना समय लग सकता है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच हाल ही में राजनयिक संबंधों में सुधार के बावजूद रक्षा मंत्रालय ने फिल्म के कुछ खास कंटेंट को लेकर चिंता

केंद्रीय मंत्रालय ने 18वें प्बैथ्ज़ में 31 फिल्मों की स्क्रीनिंग पर लगाई रोक

केंद्रीय मंत्रालय ने 18वें प्बैथ्ज़ में 31 फिल्मों की स्क्रीनिंग पर लगाई रोक। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कोरलम राज्य चलचित्र अकादमी द्वारा आयोजित 18वें इंटरनेशनल ऑफ़ कोरलम (प्बैथ्ज़) में दिखाई जाने वाली 31 फिल्मों को दिखाने की मंजूरी नहीं दी गई जिन्हें आधिकारिक तौर पर फेस्टिवल के लिए चुना गया था। यह फेस्टिवल 25 से 30 सितंबर तक तिरुवनंतपुरम में होने वाला है। मंजूरी न पाने वाली फिल्मों में एक मलयालम फिल्म भी शामिल है। बताया है, फिल्म फेस्टिवल में बिना सेंसर वाली फिल्में दिखाने की छूट



पाने के लिए, केंद्र सरकार को फिल्मों की एक लिस्ट देनी होती है। इसी के तहत, चलचित्र अकादमी ने प्बैथ्ज़ में दिखाई जाने वाली 347 फिल्मों की एक लिस्ट सूचना और प्रसारण

मंत्रालय को सौंपी, साथ ही उन फिल्मों की थीम का छोटा सारांश भी दिया। इसके बाद, मंत्रालय के कहने पर अकादमी ने 40 फिल्मों की डिटेल्ड सिनॉप्सिस और स्क्रीनर बेजे, जिसके बाद ही 31 फिल्मों को दिखाए जाने की इजाजत नहीं दी गई।

पर्यटन, संस्कृति और सिनेमा मंत्री पी. सी. विष्णुनाथ ने केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय से मांग की कि वह चलचित्र अकादमी की सिलेक्शन कमिटी द्वारा चुनी गई कुछ फिल्मों की स्क्रीनिंग की अनुमति न देने के अपने फैसले पर फिर से

अक्टूबर थिएट्रिकल रिलीज 2026: ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ से टॉम क्रूज की ‘डिगर’ तक, दशहरा मय में धमाका करेंगी ये फिल्में, नोट करें डेट हैदराबाद: सितंबर 2026 में सिनेमाघरों में 19 बड़ी फिल्में रिलीज होने के बाद अक्टूबर के महीने में कई बड़ी फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए बड़े पर्दे पर आएंगीं। इस लिस्ट में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हिंदी, तमिल, तेलुगु और हॉलीवुड फिल्में शामिल हैं। तो आइए एक नजर डालें अक्टूबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्में र. ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ ‘दृश्यम’ फ्रेंचाइजी एक बार फिर अपने सीधी-सी कहानी से दर्शकों को कुर्सी से बांधे रखने के लिए आ रही है। एक आम परिवार जो अचानक एक असह्यारण मुश्किल में फंस जाता है और खुद को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ में दांव और भी ऊंचे हैं, क्योंकि यह फिल्म इस फ्रेंचाइजी की आखिरी कड़ी के तौर पर पेश की जा रही है। ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ‘प्रेम कीटाणु’ अगर अक्टूबर में कोई ऐसी फिल्म है जो बॉक्स ऑफिस पर सबको चौंका सकती है, तो वह है ‘प्रेम कीटाणु’। वीर महाडिया और आभिरा सैयद इस कॉलेज रोमांस में मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म दोस्ती, मस्ती-मजाक, पहले प्यार और बड़े होने के दौरान आने वाले उन उतार-चढ़ाव भरे पलों से भरी है, जिनसे युवा दर्शक आसानी से जुड़ाव महसूस करते हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म मलयालम की सुपरहिट फिल्म ‘प्रेमलू’ का हिंदी वर्जन है। फिलहाल ‘प्रेम कीटाणु’ 2 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ‘सिग्मा’ एक आगामी एक्शन-एडवेंचर और हाइस्ट (डकैती) फिल्म है, जो थलापति विजय के बेटे जेसन संजय के निर्देशन में बनी उनकी पहली फिल्म है। यह एक आम रेडियो होस्ट की कहानी है, जो अचानक एक बेरहम सरगना द्वारा चलाए जा रहे खतरनाक अंडरवर्ल्ड की दुनिया में फंस जाता है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। ‘डॉट टबल व टबल’ शशांक येलेटी की निर्देशित फिल्म ‘डॉट टबल व टबल’ एक तेलुगु



फिल्म है। इस फिल्म में फहद फासिल, सारा पातेकर, सौरभ सचद, वा अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म में सूरि नाम का एक नकली स्ट्रीट मैजिशियन गलती से एक मैजिक ट्रिक के दौरान एक युवा लड़की को गायब कर देता है। हालांकि उसे पता चलता है कि वह लड़की असल में जिन्न है, और फिर वे दोनों मिलकर एक रोमांचक जादुई सफर पर निकल पड़ते हैं। यह मैजिकल मूवी 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ‘डिगर’ टॉम क्रूज, रिज अहमद, सैड्या हुतर और अन्य कलाकारों वाली ‘डिगर’ एक ब्लैक कॉमेडी फिल्म है। यह एक काल्पनिक हकीकत पर आधारित है, जिसमें दुनिया का सबसे ताकतवर व्यक्ति एक मिशन पर निकलता है ताकि यह साबित कर सके कि सिर्फ यही पूरी इंसानियत को बचा सकता है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ‘वेरिटी’ ऐन हैथवे, डकोटा जॉनसन और जोश हार्टनेट स्टार ‘वेरिटी’ कॉलिन हूवर के मशहूर नॉवेल का थिएट्रिकल अडैप्टेशन है। इसमें लोवेन को वेरिटी के लिए घोस्टराइटर के तौर पर काम पर रखा जाता है और वह लेखिका, उनके पति और उनकी जिंदगी से जुड़े उलझे हुए और परेशान करने वाले खुलासों में उलझ जाती है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आ रही है। त्रभागव सैकिया की डायरेक्ट की गई यह बोवरी एक मिस्ट्री और हॉरर एलिमेंट वाली फिल्म है, जिसमें फिल्म के किरदार एक केस से जुड़े परेशान करने वाले राजों का पता लगाते हैं। प्रसन्ना बिष्ट समेत कई कलाकारों वाली यह फिल्म 9 अक्टूबर

को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उड़ता तीर/आकाश कौशिक की निर्देशित स्पाई कॉमेडी फिल्म उड़ता तीर में आनुधान खुराना और सारा अली खान अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म आनुधान खुराना ‘एक पाकिस्तानी स्पाई’ होते हैं। वह भारत में आते हैं, लेकिन किसी वजह से उनकी याददाश्त चली जाती है। हालांकि उन्हें देशभक्ति तो याद होती है, लेकिन वह किस देश के हैं, यह वह भूल जाते हैं। यह स्पाई कॉमेडी फिल्म 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ‘जेल्डर 2’ रजनीकांत ‘जेल्डर 2’ में अपने हाल के सबसे पसंदीदा किरदारों में से एक को फिर से निमाने के लिए तैयार हैं। ओरिजिनल फिल्म पूरे भारत में जबरदस्त हिट रही थी, जिसकी वजह थी रजनीकांत का ऑन-स्क्रीन करिश्मा, नेल्सन का अनोखा स्टायल और सपोर्टिंग कास्ट, जो फिल्म की पॉप-कल्चर चर्चा का अहम हिस्सा बन गई थी। इस फिल्म के सीक्वल से बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं और इसे पहले से बनी-बनाई दुनिया का फायदा भी मिलेगा। ‘जेल्डर 2’ दुनिया भर के सिनेमाघरों में 15 अक्टूबर को दशहरा की छुट्टियों के दौरान रिलीज होने वाली है। नई नवेली बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी नई नवेली में यागी गीतम अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म में वह मोहिनी का किरदार निभा रही हैं। वह एक नई दुल्हन बनकर मेरठ के एक परिवार में आती हैं। लेकिन, मामला तब मोड़ ले लेता है जब उसके शक करने वाले जीजा को यह लगने लगता है कि उसके बेदाग व्यवहार के पीछे कोई